CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 263 ता. 13 अप्रेल 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

‘आवास योजना के लाभार्थी ने मोदी को लिखा भावुक खत, जवाब में कही दिल छूने वाली बात : मोदी

एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार हर जरूरतमंद परिवार को घर उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रही है। मोदी ने ‘प्रधानमंत्री आवास योजना के एक लाभार्थी के एक पत्र के जवाब में लिखा कि अपनी छत और घर पाने की खुशी अमूल्य है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योजना के लाभार्थी, मध्यप्रदेश के सागर जिले के सुधीर कुमार जैन ने मोदी को लिखे पत्र में आवास योजना को बेघर गरीब परिवारों के लिए वरदान बताया है। जैन ने कहा कि वह किराए के मकान में रहते थे और कई बार मकान बदल चुके हैं। उन्होंने बार-बार घर बदलने का अपना दर्द भी साझा किया। प्रधानमंत्री ने जैन को घर मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि मकान सिर्फ ईंटों और सीमेंट से बना ढांचा नहीं होता है। इसके साथ हमारी भावनाएं और आकांक्षाएं भी जुड़ी होती हैं और घर की चारदीवारी न केवल सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि एक बेहतर कल का विश्वास भी दिलाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आपके अपने घर का सपना साकार हुआ है। इस उपलब्धि के बाद आपकी संतुष्टि की भावना को पत्र में आपके शब्दों के जरिए महसूस किया जा सकता है। यह घर आपके परिवार के सम्मानजनक जीवन और आपके दोनों बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए एक नई नींव की तरह है। मोदी ने कहा कि इस योजना के तहत करोड़ों लाभार्थियों को ‘‘पक्के घर मिले हैं। जैन को लिखे पत्र में, प्रधानमंत्री ने कहा कि लाभार्थियों के जीवन में ये ‘‘यादगार क्षण, उन्हें ‘‘राष्ट्र की सेवा में अथक और बिना रुके काम करते रहने की प्रेरणा देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के बुजुर्गों के लिए खुशखबरी, मुफ्त में तीर्थयात्रा कराएगी केजरीवाल सरकार

एजेंसी । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राजधानी में वृद्धाश्रमों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त में तीर्थयात्रा पर भेजेगी। केजरीवाल ने यहां पूर्वी दिल्ली के कांति नगर में राजधानी के चौथे वृद्धाश्रम ‘बाबा साहब डॉ. भीम राव आंबेडकर वरिष्ठ नागरिक गृह के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि हमारे बुजुर्गों को कभी भी अपना घर नहीं छोड़ना पड़ेगा। लेकिन अगर किसी कारणवश उन्हें ऐसा करना पड़े, तो हम उनका पूरा ध्यान रखेंगे और साथ ही उन्हें खुश रखने की पूरी कोशिश करेंगे। हम उन्हें यहां घर जैसा माहौल देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अभी चार वृद्धाश्रम हैं, इसके अलावा पांच और जल्द ही बनकर तैयार हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर इन नौ वृद्धाश्रम में एक हजार वरिष्ठ नागरिकों के रहने की व्यवस्था होगी। केजरीवाल ने कहा, दिल्ली सरकार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा पर भेजती है। यह यात्रा 2020 और 2021 में महामारी के प्रकोप के कारण आयोजित नहीं की जा सकी। लेकिन अब इसे फिर से शुरू कर दिया गया है। हम वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा पर भेजेंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत दिल्ली के वरिष्ठ नागरिक सरकार के खर्चे पर तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए पांचवां वृद्धाश्रम तीन महीने के भीतर पश्चिम विहार इलाके में बनकर तैयार हो जाएगा।

मोदी की बधाई में आतंकवाद के जिक्र से चिढ़े शहबाज शरीफ, शुक्रिया में जोड़कर भेजा कश्मीर

एजेंसी । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। शरीफ ने कहा कि उनका देश भारत के साथ शांतिपूर्ण और सहयोगात्मक संबंध चाहता है। शहबाज शरीफ पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए कश्मीर का जिक्र करना नहीं भूले और एक बार फिर से इसका राग अलापा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीएम मोदी के धन्यवाद पर कहा कि जम्मू-कश्मीर सहित लंबित विवादों का शांतिपूर्ण समाधान जरूरी है। दरअसल पीएम मोदी ने शहबाज शरीफ को धन्यवाद देते हुए आतंकवाद का जिक्र किया था और कहा था कि भारत क्षेत्र में शांति और स्थिरता चाहता है जो आतंकवाद से मुक्त हो। पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि बधाई देने के लिए धन्यवाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। पाकिस्तान भारत के साथ शांतिपूर्ण और सहयोगी संबंधों के लिए इच्छुक है। जम्मू-कश्मीर समेत सभी लंबित मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान आवश्यक है। पाकिस्तान की आतंकवाद के खिलाफ जंग लड़ते हुए दी गई कुर्बानियों को दुनिया जानती है। चलिए शांति को सुरक्षित करें और हमारे लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर फोकस करें। मियां मुहम्मद शहबाज शरीफ को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई। भारत क्षेत्र में शांति और स्थिरता चाहता है जो आतंकवाद से मुक्त हो, ताकि हम अपनी विकास चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें और अपने लोगों की भलाई एवं समृद्धि सुनिश्चित कर सकें। बता दें कि शहबाज शरीफ ने सोमवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे राजनीतिक अनिश्चितता समाप्त हो गई। अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इमरान खान के अपदस्थ होने के बाद शरीफ पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री बने हैं।

महाराष्ट्र के गृहमंत्री बोले- हेराफेरी मामले में अब तक फरार हैं किरीट सौमैया

एजेंसी । महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार, केंद्र से भाजपा नेता किरीट सोमैया का पता ठिकाना पूछेगी जिन्हें ‘जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है और जिन पर मुंबई में धोखाधड़ी का एक मामला दर्ज है। मुंबई पुलिस ने पिछले हफ्ते एक पूर्व सैन्यकर्मी की शिकायत के आधार पर सोमैया और उनके बेटे नील सोमैया के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने सोमैया पर विक्रांत पोत के संरक्षण के नाम पर एकत्र किए गए 57 करोड़ रुपए से अधिक की हेराफेरी का आरोप लगाया है। जनवरी 2014 में, जहाज को एक ऑनलाइन नीलामी के माध्यम से बेचा गया था और उसी साल नवंबर में उसे कबाड़ में बदल दिया गया था। राउत ने सोमैया पर महाराष्ट्र से भागने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि पूर्व सांसद ‘‘भाजपा शासित राज्य या तो गुजरात या गोवा में छिपे हुए हैं। हालांकि, भाजपा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

कुछ पत्रकारों ने मंगलवार को पाटिल से पूछा कि क्या राज्य सरकार केंद्र को पत्र लिखकर सोमैया का पता ठिकाना पूछेगी? इसके जवाब में पाटिल ने कहा कि हम केंद्र से पूछेंगे कि वह शख्स कहा हैं, जिसे आपने सुरक्षा प्रदान कर रखी है। सोमैया से संबंधित एक अन्य सवाल पर, पाटिल ने कहा कि दूसरों पर आरोप लगाना आसान है। मंत्री ने कहा, ‘‘...और जब आरोप आप पर लगाए जाते हैं, तो आप उसका सामना नहीं करते। यह कोई बहादुरी नहीं है। उसका सामना नहीं करते। यह कोई बहादुरी नहीं है। मुंबई की एक अदालत ने सोमवार को मामले में किरीट सोमैया गिरफ्तारी की आशंका के बीच, भाजपा नेता और उनके बेटे ने अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी।

ठेकेदार मौत मामला :

बोम्मई ने दिया पारदर्शी जांच का आश्वासन, इस्तीफे की मांग पर क्या बोले?

एजेंसी ।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को कहा कि पुलिस एक ठेकेदार की मौत की संपूर्ण और पारदर्शी तरीके से जांच करेगी। ठेकेदार ने कर्नाटक सरकार के एक मंत्री पर एक सार्वजनिक कार्य में 40 प्रतिशत कमीशन की मांग करने का आरोप लगाया था। बोम्मई ने इस संबंध में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की विपक्ष की मांग को भी खारिज कर दिया है। बोम्मई ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘मैं एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं कि इस मामले की संपूर्ण जांच की जाएगी। हमारी तरफ से कोई हस्तक्षेप या निर्देश नहीं होगा। पुलिस स्वतंत्र रूप से मामले की जांच करेगी और सच्चाई सामने आएगी। बेलगावी के संतोष पाटिल नामक एक ठेकेदार उडुपी के एक होटल में अपने कमरे में मृत पाए गए थे। उन्होंने कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री के एस ईश्वरप्पा पर उनके द्वारा किए गए कार्यों पर 40 प्रतिशत कमीशन की मांग करने का आरोप लगाया था। मंत्री ने न केवल अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया बल्कि ठेकेदार के खिलाफ मानहानि का मुकदमा भी दायर किया। अपने कथित व्हाट्सएप संदेश में, पाटिल ने मंत्री को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच के परिणाम के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। बोम्मई ने कहा, ‘‘हमने पुलिस को मामले की व्यवस्थित तरीके से जांच करने का निर्देश दिया है, जैसे कि फॉरेंसिक साइंस, स्पॉट इंस्पेक्शन, पूछताछ और सब कुछ कानून के अनुसार होना चाहिए। यह एक ईमानदार और पारदर्शी जांच होगी। ठेकेदार की मौत पर विपक्षी कांग्रेस पार्टी द्वारा इस्तीफे की मांग के बारे में पूछे जाने पर बोम्मई ने कहा, ‘‘सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री रहते एक पुलिस अधिकारी ने आत्महत्या कर ली थी। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या सिद्धारमैया ने इस्तीफा दिया। मुख्यमंत्री ने ठेकेदार की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक जीवन मूल्यवान है। हालांकि, जांच से पता चलेगा कि पाटिल ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया।

अग्रिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय का रुख करेंगे सोमैया, सभी आरोपों को किया खारिज

एजेंसी । विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत को संरक्षित करने के लिए एकत्र किए गए 57 करोड़ रुपये के कोष की कथित धांधली के मामले में आरोपी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया ने मंगलवार को अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह अग्रिम जमानत के लिए बंबई उच्च न्यायालय का रुख करेंगे। महाराष्ट्र की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के बड़े आलोचक माने जाने वाले सोमैया ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश में कहा कि वह उद्धव ठाकरे नीत राज्य सरकार के ‘‘घोटालों का पर्दाफाश करना बंद नहीं करेंगे। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने सोमैया और उनके बेटे नील पर विक्रांत पोत के संरक्षण के नाम पर एकत्र किए गए 57 करोड़ रुपये से अधिक राशि की हेराफेरी का आरोप लगाया है। जनवरी 2014 में, जहाज को ऑनलाइन नीलामी के माध्यम से बेचा गया था और उसी वर्ष नवंबर में उसे कबाड़ में बदल दिया गया था। राउत ने सोमैया पर महाराष्ट्र से भागने का भी आरोप लगाया। मुंबई की एक अदालत ने सोमवार को मामले में किरीट सोमैया की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। गिरफ्तारी की आशंका के बीच, भाजपा नेता और उनके बेटे ने अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। सोमैया ने मंगलवार को कहा कि दिसंबर 2013 में तत्कालीन कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस को 60 करोड़ रुपये में कबाड़ का कारोबार करने वालों को बेचने का फैसला किया था ।

ब्लिंकन ने माना- भारत - रूस सबंध गहरे और दशकों पुराने

वाशिंगटन । अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने कहा कि भारत के रूस के साथ संबंध दशकों पुराने हैं और ये ऐसे वक्त में विकसित हुए जब अमेरिका, भारत का साझेदार बनने में सक्षम नहीं था। ब्लिंकन ने यह बात राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के, यूक्रेन पर रूस के हमले की घटना पर भारत के रुख को समझने के संकेतों के बीच कही। दरअसल यूक्रेन संकट को लेकर भारत के रुख पर तथा रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने को लेकर अमेरिका में असंतोष है। अमेरिका के विदेश मंत्री ने यह बयान रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन तथा भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ सोमवार को टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दिया। उन्होंने कहा ,‘‘ भारत के रूस के साथ संबंध दशकों पुराने हैं और ऐसे वक्त से हैं जब अमेरिका, भारत का साझेदार बनने की स्थिति में नहीं था। वक्त बदल चुका है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा,‘‘आज हम भारत के साथ वाणिज्य, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी के लिए सक्षम और इच्छुक हैं। आज हमारे बीच इसी को लेकर बातचीत हुई है। जब बात तेल खरीद, प्रतिबंध आदि की आती है तो मैं बस यही कहूंगा कि तेल खरीद के लिए यह जटिल प्रक्रिया है ।

शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने हालांकि सहयोगियों और साझेदारों को रूस से तेल आदि की खरीद को बढ़ाने के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा,‘‘ यकीनन हम देशों को इस बात के लिए प्रेरित कर रहे हैं कि वे रूस से अतिरिक्त ईंधन नहीं खरीदें। प्रत्येक देश की स्थिति अलग है, उनकी जरूरतें अलग हैं।

देश की यह अवधि ‘अमृत काल’ है, ‘गुड गवर्नेंस’ को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं: शाह

एजेंसी ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को 2 दिवसीय सहकारिता नीति के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन में कहा कि देश के विकास में सहकारिता का बहुत योगदान है। यह हमारा मज़बूत बुनियाद है जिस पर बड़ी इमारत बनानी है और बाधाओं को नए प्रावधान बनाकर हटाना है। यह तभी होगा जब इस पर सरकारी नीतियां बने। शाह ने कहा कि मंत्रालय के गठन के दूसरे ही दिन एक बैठक की जिस पर एक रूप-रेखा तैयार हुई है। मुझे लगता है कि 8-9 महिने के समय में हम एक संपूर्ण सहकारी नीति देश के सामने रख पाएंगे जो सारी सहकारी नीतियों को संबोधित करेगी। उन्होंने कहा कि भारत की नई पीढ़ी को आजादी और देश के साथ जोड़ने का ये स्वर्णिम अवसर है। साथ ही उन्होंने सभी से पार्टी विचारधारा से ऊपर उठकर अगले 25 वर्षों में लोगों और देश के कल्याण के लिए काम करने की अपील की ताकि भारत दुनिया के सबसे विकसित देशों में से एक बन सके। ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ पर ‘अमृत समागम’ सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले 25 साल-भारत की आजादी के 75वें वर्ष से देश की आजादी के 100वें वर्ष तक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं और देश की इस अवधि को ‘अमृत काल’ कहा गया है। शाह ने कहा कि नयी पीढ़ी को 1857 से 1947 तक 90 साल तक आजादी की जंग लड़ने वाले लोगों के त्याग, बलिदान और तपस्या की जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की नयी पीढ़ी को आजादी और देश के साथ जोड़ने का ये स्वर्णिम अवसर है। शाह ने कहा कि नयी पीढ़ी के मन में देशभक्ति का जज़्बा जगाना और उसके आधार पर वो पूरे जीवन देश के लिए काम करता रहे, ऐसी नयी पीढ़ी का सृजन करने का ये एक बहुत बड़ा मौक़ा है। उन्होंने कहा कि हम राज्यों में कुछ स्थान आजादी के अमृत महोत्सव के निमित्त स्थानीय ऐसे बनाएं, जो चेतना के केंद्र बनें, ऐसे संकल्प प्रसारित करें जो अनेक लोगों को प्रेरणा दें। उन्होंने कहा कि अगले 25 वर्षों में ‘अमृत काल’ के दौरान, राष्ट्र आत्मानिर्भर भारत के लिए किए गए संकल्पों को प्राप्त करने की ओर अग्रसर होगा। आज हम ‘गुड गवर्नेंस’, जनता अनुकूल सुशासन को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि अगले 25 वर्षों तक सभी भारतीयों को देश को विश्व में अग्रणी राष्ट्र बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने चाहिए। शाह ने कहा कि उन्होंने (प्रधानमंत्री) लोगों से अपील की थी कि ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ वर्ष के दौरान लोगों को कुछ अच्छे काम करने का संकल्प लेना चाहिए। सरकार के हर विभाग को किसी न किसी तरह के अच्छे काम करने का संकल्प लेना चाहिए। यह संकल्प लेने का वर्ष है और अगले 25 वर्ष संकल्पों को पूरा करने का समय है। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने अब तक ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ के तहत 25,000 कार्यक्रमों को आयोजन किया है, लेकिन राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे केवल 7,200 कार्यक्रम ही आयोजित कर सके हैं। उन्होंने कहा कि हमें संख्या बढ़ानी होगी। हमें ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ को सफल बनाना है। लोगों की भागीदारी बढ़ानी होगी। हर घर, हर स्कूल को शामिल करना होगा। गृह मंत्री ने कहा कि देश में एक भी गांव ऐसा नहीं है जहां आजादी के लिए संघर्ष नहीं हुआ हो और एक भी जिला ऐसा नहीं है ।

करौली हिंसा पर बोलीं पूर्व वसुंधरा राजे, नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की और निर्दोष लोगों को जेल में बंद कर दिया

जयपुर।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मंगलवार को करौली जिला प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने हिंसा के 10 दिन बाद भी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की और निर्दोष लोगों को जेल में बंद कर दिया। उन्होंने उन्हें मुआवजा देने की मांग की जिनकी दुकानें दंगे में जला दी गईं। दंगाग्रस्त इलाकों में दौरा करने के बाद घायलों से मुलाकात करने पहुंची राजे ने करौली में कहा कि घटना के 10 दिन बाद भी नामजद आरोपी गिरफ्तार नहीं किये गये हैं । उन्होंने प्रशासन से दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने एवं नुकसान उठाने वालों को मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो पत्थर फेंक रहा था और जो पिट रहा था, उनदोंनो को एक तराजू में कैसे तौल सकते हैं आप? उनदोंनो को एक तराजू में कैसे तौल सकते हैं आप? जो लोग घायल होकर अस्पताल में गये उन्हें उठा-उठा कर जेल में बंद कर दिया गया.. उनके ऊपर कठोर से कठारे धाराएं लगाई गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने ऐसे लोंगो को पकड़-पकड़ कर बंद कर दिया जिनका हिंसा से कोई मतलब ही नहीं था और उन पर आजीवन कारावास की धारा लगा दी। उन्होंने कहा कि आज घटना को 10 दिन हो गये हैं लेकिन जिन लोंगो की दुकानें नष्ट कर दी गई हैं .. आज तक प्रशासन का कोई भी व्यक्ति उनकी दुकानो में नहीं गया है।

हवाला फंडिंग मामले में जम्मू कश्मीर के पूर्व मंत्री को भेजा गया रिमांड पर

जम्मू । जम्मू कश्मीर के पूर्व मंत्री जतिन्द्र सिंह उर्फ बाबू सिंह और उनके साथी मोहम्मद शरीफ शाह को हवाला फंडिंग मामले में पुलिस ने पांच दिन की रिमांड पर लिया है। हवाला मनी को कश्मीर वादी में आतंकी गतिविधियों एवं माहौल खराब करने में प्रयोग किया जाता है। फास्ट टैक् कोर्ट ने इस मामल में गांधी नगर पुलिस के डीएसपी सचित शर्मा की अर्जी पर सुनवाई करते हुये दोनों आरोपियों को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने उनकी दस दिन की रिमांड की मांग की थी। कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया है कि दोनों की हर रोज मेडिकल जांच की जाए। हिंदोस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार यह मामला उस समय सामने आया जब कश्मीर के मोहम्मद शरीफ शाह के पास से पुलिस को 31 मार्च को 690,000 की राशि मिली। पुलिस को सूचना मिली थी कि जम्मू में कुछ लोग हवाला का पैस लेने वाले हैं। 64 वर्षीय शाह को गांधी नगर से पकड़ा गया था। शाह ने जांच में बताया कि बाबू सिंह ने उन्हें हवाला का पैसा लेने के लिए कहा था। जम्मू में कुछ लोग हवाला का पैस लेने वाले हैं। 64 वर्षीय शाह को गांधी नगर से पकड़ा गया था। शाह ने जांच में बताया कि बाबू सिंह ने उन्हें हवाला का पैसा लेने के लिए कहा था। बाबू सिंह 2005 में कांग्रेस-पीडीपी गठबंधन सरकार में मंत्री रह चुके हैं। वह 31 मार्च से ही फरार चल रहे थे। उन्हें पिछले शुक्रवार को पुलिस ने कठुआ से पकड़ा है। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार बाबू सिंह की गिरफ़्तारी के बाद उम्मीद की जा रही है कि हवाना फंड नेटवर्क का पता चल पाएगा।

सीएम मान की अनुपस्थिति में केजरीवाल ने की पंजाब के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक, भड़का विपक्ष

चंडीगढ़ । दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप मुखिया अरविंद केजरीवाल द्वारा गत दिवस बिजली मुद्दे को लेकर दिल्ली में मीटिंग बुलाई गई, लेकिन मीटिंग में पंजाब सी.एम. भगवंत मान को नहीं बुलाया गया, इस विवाद छिड़ चुका है। मामले में विरोधी दल भड़क उठे हैं, और केजरीवाल पर पंजाब में दखल देने आरोप लगा रहे हैं। विरोधियों ने कहा कि पंजाब की जनता का अपमान किया जा रहा है। इस मामले पर राजा वड़िंग ने कहा कि सीएस अनिरुद्ध तिवारी, सचिव पावर दलीप कुमार, दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल, एमपी राघव चड्ढा दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन, अध्यक्ष पीएसपीसीएल बलदेव सिंह सरां ने सीएम भगवंत मान और बिजली मंत्री हरभजन सिंह की अनुपस्थिति में आधिकारिक बैठक की, क्या दिल्ली वालों द्वारा पंजाब की कठपुतली बनाई जाएगी, किस हैसियत से और किस मुद्दे पर यह बैठक हुई.. सर झुका ही दिया था अब माथा भी टेक दिया है क्या? अकाली नेता दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि हमने दिल्ली के बारे में बहुत कुछ सुना है,

क्योंकि मोदी सरकार राज्यों के आंतरिक मामलों में दखल दे रही है लेकिन, यह पहली बार है कि हम दिल्ली को पंजाब सरकार के आंतरिक मामलों में सीधे तौर पर दखल देने वाली राज्य सरकार के रूप में देख रहे हैं। क्या पंजाब को इसी बदलाव का इंतजार था? इसके साथ ही भाजपा प्रवक्ता सुभाष शर्मा ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली में बैठक करना ना सिर्फ गैर संविधानिक है, बल्कि पंजाबियों का अपमान भी है। क्या सीएम मान को आम आदमी पार्टी इतना नाकाबिल मानती है, कि उन्हें बैठक में बुलाना तक भी उचित नहीं समझा।

न्यायाधीश ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं, यह अवधारणा गलत : सीजेआई

नई दिल्ली । प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमण ने कॉलेजियम प्रणाली का बचाव कर कहा कि भारत में न्यायाधीश ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं, यह अवधारणा गलत है, और नियुक्ति लंबी परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से होती है, जहां कई हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया जाता है। उन्होंने कहा कि न्यायिक नियुक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले जनता के विश्वास को बनाये रखने के मकसद से होते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि चयन की प्रक्रिया से ज्यादा लोकतांत्रिक नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, इस तरह की धारणा है, कि भारत में न्यायाधीश ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। यह गलत धारणा है और मैं इस सही करना चाहता हूं। नियुक्ति एक लंबी परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से होती है। उन्होंने कहा, इसमें कई हितधारकों से विचार-विमर्श होता है। विधायिका भी एक प्रमुख हितधारक है।''उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए न्यायमूर्ति रमण ने कहा, ''जब कोई उच्च न्यायालय प्रस्ताव भेजता है, तब संबंधित राज्य सरकार, राज्यपाल, भारत सरकार इसका अध्ययन करते हैं जिसके बाद इस सुप्रीम कोर्ट को भेजा जाता है। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय के शीर्ष के तीन न्यायाधीश सभी हितधारकों के सुझावों के आधार पर प्रस्ताव पर विचार करते हैं। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने अक्टूबर 2015 में एनजेएसी अधिनियम को असंवैधानिक करार दिया था, इसके तहत उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति में कार्यपालिका को एक प्रमुख भूमिका दी गई थी। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम, 2014 को दो दशक से अधिक पुरानी कॉलेजियम प्रणाली को बदलने के उद्देश्य से तत्कालीन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा लाया गया था।

14 वर्षीय किशोरी से गैंग रेप और हत्या पर ममता बनर्जी ने जताया संदेह

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नदिया जिले में एक 14 साल की नाबालिग किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले पर संदेह जताया है। उन्होंने कहा कि ये पता लगाए जाने की कोशिश होनी चाहिए कि क्या किशोरी के साथ रेप किया गया था या वह पहले से ही गर्भवती थी। इस मामले में 21 वर्षीय मुख्य आरोपी को सोमवार को एक स्थानीय अदालत ने 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था, जो एक टीएमसी नेता का बेटा है। ममता बनर्जी के इस बयान पर कांग्रेस, सीपीएम और भाजपा सहित विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इन दलों ने उनकी टिप्पणी को 'दुर्भाग्यपूर्ण' और 'असंवेदनशील' बताया। कोलकाता में एक कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के पुलिस प्रमुख मनोज मालवीय की मौजूदगी में ममता ने कहा, 'लड़की का आरोपी के साथ संबंध था' और विपक्षी दल और मीडिया इस घटना को 'राजनीतिक मोड़' देने की कोशिश कर रहे हैं।' ममता ने कहा, 'जो हुआ वह बुरा है। मैं इसकी निंदा करती हूं। लेकिन मैंने सुना है कि आरोपी और लड़की के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। उनके मोहल्ले के लोग जानते थे। उनके परिवारों को पता था। हर कोई जानता था। ये घटना 5 अप्रैल को हुई बताई जाती है और प्राथमिकी 10 अप्रैल को दर्ज कराई गई थी। क्यों? पुलिस को अब सबूत कहां से मिलेंगे? बनर्जी ने डीजीपी की ओर देखते हुए कहा कि मैं सही हूं या गलत लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता को उनके बयान के लिए ।

बिहार में दारु के बाद बंद करो रजनीगंधा-तुलसी में जुटे लालू के बड़े लाल

पटना । राजद के प्रमुख और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के बड़े लाल तेज प्रताप यादव नई मुहिम बंद करो रजनीगंधा-तुलसी में जुटे हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने ट्वीट में नसीहत देने के साथ की है। हालांकि, शुरुआत में हीं वे ट्विटर पर ट्रोल हो गए हैं। एक यूजर ने उन्हें इस पोस्ट के लिये खुद राष्ट्रपति भवन जाकर भारत रत्न देने का आग्रह करने की बात कही है। एक अन्य यूजर ने तंज किया है कि थूकेगा बिहार तभी तो आगे बढ़ेगा बिहार। मकान की दीवारों को पेंट करने की कोई जरूरत नहीं है, इसकारण गुटखा व पान मसाला जारी रहना चाहिए। तेज प्रताप ने मुखे यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए लिखा है, कि दारू बंदी बहुत हुई, अब जरा रजनीगंधा व तुलसी भी बंद कराएं। कही आप भी तब मुंह में रजनीगंधा और कदमों में दुनिया वाली बात पर यकीन नहीं कर रहे? तेज प्रताप ने नीचे मुहिम-बंद करो रजनीगंधा तुलसी लिखकर पान मसाला व गुटखा के खिलाफ अपनी मुहिम को स्पष्ट कर दिया है। अपने ट्वीट पर तेज प्रताप ट्रोल हुए हैं। हालांकि, उनके पक्ष में भी ट्वीट किए जा रहे हैं। एक यूजर ने तेज प्रताप का वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि वे भी मुंह में रजनीगंधा होने के वजह से लिप्सिंग नहीं कर पाते।

कारोबारी से 50 लाख की अवैध वसूली मामले में कांग्रेस नेता धर्मेश सगलानी को गिरफ्तार

पणजी । गोवा विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के विरुद्ध चुनाव लड़ने वाले गोवा कांग्रेस के नेता धर्मेश सगलानी को राज्य पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने बताया कि सगलानी को गोवा पुलिस ने सोमवार को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया और बाद में शाम को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। सांकेलिम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले धर्मेश सगलानी, भाजपा के मुख्यमंत्री उम्मीदवार रहे प्रमोद सावंत से 666 मतों के मामूली अंतर से हार गए थे। गोवा पुलिस ने कहा कि धर्मेश सगलानी को अगसैम पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने एक व्यवसायी के साथ दुर्व्यवहार किया और धमकी दी, और 50 लाख रुपए की मांग की थी। धर्मेश सगलानी के खिलाफ अगसैम पुलिस स्टेशन में यह एफआईआर इस साल 24 जनवरी को दर्ज की गई थी, जिसके 6 दिन बाद कांग्रेस ने उन्हें लगातार दूसरी बार संकेलिम से पार्टी का उम्मीदवार नामित किया था।

इस मामले की जांच गोवा पुलिस की अपराध शाखा कर रही है। जनवरी 2022 में कांग्रेस नेता के खिलाफ दर्ज की गई यह दूसरी प्राथमिकी थी। पहली प्राथमिकी, जिसमें 2016 के भूमि सौदे के संबंध में धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था, 20 जनवरी, 2022 को दर्ज की गई थी। धर्मेश सगलानी ने सोमवार को उनके खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन उन्होंने अतीत में दावा किया है कि उनके खिलाफ पुलिस की शिकायतें राजनीति से प्रेरित थीं। गोवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पाटकर ने सोमवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा परेशान किए जा रहे अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी मजबूती से खड़ी रहेगी। धर्मेश सगलानी को 2017 में भी कांग्रेस ने संकेलिम सीट से मैदान में उतारा था, लेकिन वह 2,000 से अधिक मतों के अंतर से भाजपा के सगलानी को 2017 की तुलना में इस बार एक मजबूत स्थिति में माना जा रहा था।

एंडवास बुकिंग में केजीएफ चैप्टर-2 ने तोड़ा आरआरआर का रिकॉर्ड, कमाए 25 करोड़

मुंबई । साउथ फिल्मों का दबदबा बॉलीवुड इंडस्ट्री में सिर चढ़कर बोल रहा है। एक के बाद साउथ की फिल्में रिलीज होकर बड़े-बड़े रिकॉर्ड्स बना रही हैं। भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में इन्हें पसंद किया जा रहा है। पुष्पा और आरआरआर के बाद नंबर हैं, फिल्म केजीएफ चैप्टर-2 का हैं। इस मूवी का ट्रेलर जब से रिलीज हुआ है, फैंस की उत्सुकता का ठिकाना ही नहीं है।इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि फिल्म ने रिलीज होने से पहले ही एडवांस बुकिंग के मामले में एस एस राजामौली की आरआरआर को पीछे छोड़ दिया है। मौजूदा समय में आरआरआर मूवी ने दुनियाभर में अपनी धूम मचा रखी है। फिल्म ने हाल ही में वर्ल्ड वाइड कलेक्शन 1000 करोड़ रुपये के पार चला गया। ऐसा करने वाली ये देश की तीसरी मूवी बन गई। अभी फिल्म सफलता का स्वाद चख ही रही है, कि इसके भारी-भरकम रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए एक और मूवी दस्तक देने जा रही है।साउथ मूवी केजीएफ-2 ने रिलीज से पहले ही बड़े धमाके के संकेत दे दिए हैं। फिल्म ने रिलीज से पहले ही करीब 25 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग कर ली है। जो आरआरआर से कहीं ज्यादा है। रिपोर्ट्स की मानें फिल्म आरआरआर ने रिलीज से पहले एडवांस बुकिंग के द्वारा केवल 5 करोड़ रुपये ही कमाए थे। इस लिहाज से देखा जाए,तब केजीएफ 2 की एडवांस बुकिंग आरआरआर से पांच गुनी है। फिल्म विदेशों में भी जबरदस्त कमाई करनी शुरू कर चुकी है।

दिल्ली में छाए बादल, हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली । सूरज के ताप से देश की राजधानी दिल्ली सहित कई राज्य पिछले कई दिनों से हीट वेव के कहर से जूझ रहे हैं। दिल्ली में तापमान ने पांच साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जबकि पड़ोसी हरियाणा और पंजाब के कई इलाकों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस पार कर गया है। हालांकि मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक कुछ इलाकों में राहत मिलने की संभावना जताई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि मंगलवार को दिल्ली में बादल छाए रहने की संभावना है। वहीं बुधवार को हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों मे बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के डेटा के मुताबिक, दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से 7 डिग्री अधिक है। अप्रैल महीने में यह अब तक सबसे ज्यादा है। 72 सालों में यह पहली बार है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अप्रैल की पहली छमाही में इतना अधिक तापमान दर्ज किया गया है। राजधानी में इस साल अप्रैल में अब तक 5 दिन सबसे ज्यादा गर्म रहे।

आईएमडी ने कहा है कि इसके पहले अप्रैल 2017 में चार दिन सबसे ज्यादा गर्म थे। शहर में 21 अप्रैल 2017 को अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं 29 अप्रैल 1941 को 45.6 डिग्री सेल्सिय मंगवार को आसमान में बादल छाए रहने से भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं।

पंजाब के खेतों में पराली जलाने के एक दिन में सामने आए एक दर्जन से अधिक मामले

चंडीगढ़ । वायु को प्रदूषित करने में पराली जलाने के पर पाबंदी के बादजूद पंजाब में पिछले 24 घंटों में गेहूं के अवशेष जलाने के करीब एक दर्जन मामले सामने आए हैं। सूबे में हर साल इस तरह के 7 से 10 हजार मामले अप्रैल से मई तक दर्ज किए जाते है। इस दौरान चारों ओर वायु की गुणवत्ता में भारी गिरावट देखने को मिलती है। इसी बीच पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने 15 अप्रैल से गेहूं की फसल के अवशेष जलाने के मामलों की निगरानी करने का निर्णय लिया है। । 2020 में राज्य में गेहूं के अवशेष जलाने की 8,500 घटनाएं देखी गई थीं। पीपीसीबी की अपील के बावजूद किसानों ने खेतों में आग का सहारा लेकर अपने गेहूं के अवशेषों को साफ करना शुरू कर दिया है। आंकड़ों के अनुसार पंजाब के कुछ हिस्सों में वास्तविक आग की घटनाएं लगभग 100 हैं। एक्यूटल डेटा उपलब्ध नहीं है क्योंकि निगरानी 15 अप्रैल से शुरू होगी। एक अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि किसानों ने बिना समय बर्बाद किए जून में शुरू होने वाले धान के मौसम के लिए अपने खेतों को तैयार करने के लिए अवशेष जला दिए हैं। हर साल जिला प्रशासन गेहूं के अवशेष जलाने वाले किसानों पर करोड़ों का जुर्माना लगाता है, लेकिन इनमें से अधिकांश किसानों को बार-बार याद दिलाने के बावजूद पर्यावरण मुआवजा नहीं दिया जाता है। पीपीसीबी के सदस्य सचिव करुणेश गर्ग ने कहा कि हम 15 अप्रैल से खेत में आग पर नजर रखेंगे। अभी तक पंजाब के कुछ हिस्सों में आग लगने की कुछ घटनाएं शॉर्ट सर्किट के कारण हो सकती हैं, जबकि कुछ किसानों ने धान की बुवाई के लिए अपने खेतों को साफ करना शुरू कर दिया है। इस बीच पीएसपीसीएल ने सभी मुख्य अभियंताओं और फील्ड अधिकारियों को आग की घटनाओं को रोकने के निर्देश जारी किए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि खेतों के ढीले तारों को सीधा किया जा रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि खेतों के ढीले तारों को सीधा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली के खंभों के बीच की दूरी को भी ठीक किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि अचानक आग के मामले में किसानों की चिंता को दूर करने के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन भी शुरू की गई है।

पराजय के बाद अपनों की बगावत से दो-चार हो रहे अखिलेश यादव पड़े अकेले

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव को अपनों की ही बगावत का सामना करना पड़ रहा है। जयंत चौधरी, ओपी राजभर और अपने चाचा शिवपाल यादव को साथ लेकर उतरने वाले अखिलेश यादव हार के बाद अकेले पड़ते दिख रहे हैं। एक तरफ चाचा शिवपाल यादव के भाजपा में जाने की अटकलें लग रही हैं और वह सपा की मीटिंग में न बुलाए जाने को लेकर नाराज हैं तो वहीं दूसरी तरफ आजम खान का खेमा भी नाराज बताया जा रहा है। आजम खान सपा के सबसे बड़े मुस्लिम चेहरे रहे हैं और मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी थे। लंबे समय से वह कई मामलों में जेल में बंद हैं और उनके समर्थक अब खुलेआम नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। रामपुर में सपा के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खान ने तो सीधे अखिलेश पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को जब जेल भेजा गया और उनकी संपत्तियां जब्त की गईं तो अखिलेश यादव चुप बैठे रहे। उनका यह भी कहा है कि सपा ने 111 सीटें मुसलमानों के ही वोटों से जीती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अखिलेश यादव या फिर मुलायम सिंह को राज्य का सीएम बनाने में मुस्लिम वोटर्स का ही बड़ा योगदान था। यह पहला मौका था, जब आजम खान के खेमे की ओर से इस तरह अखिलेश यादव के खिलाफ कुछ कहा गया है। इसके बाद से ही कयास लग रहे हैं कि आजम खान सपा छोड़ भी सकते हैं। इसके अलावा उनके एक अलग पार्टी बनाने की भी चर्चाएं हैं। ऐसे में सवाल यह है कि अखिलेश यादव के खिलाफ इस तरह की बगावत होने की वजह क्या है? दरअसल समाजवादी पार्टी की यूपी चुनाव में करारी हार ने एक तरफ गठबंधन के साथियों में मतभेद पैदा कर दिए हैं तो वहीं पार्टी में भी अंदरखाने बागी सुर उभरने लगे हैं। पास अपने नेताओं को समाहित करने के लिए उपयुक्त पदों की कमी है।

संक्षिप्त समाचार

देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या गिरकर 10,889 रही, 796 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली । भारत में कोरोना के 796 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,30,36,928 हो गई, जबकि देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या गिरकर 10,889 रह गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को अद्यतन आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई। मंत्रालय के सुबह 8 बजे के आंकड़ों के अनुसार, 19 और लोगों की संक्रमण से मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,21,710 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 10,889 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.03 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.76 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 169 की कमी दर्ज की गई। गौरतलब है कि देश में 7 अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और 5 सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले 1 करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल 4 मई को संक्रमितों की संख्या 2 करोड़ और 23 जून 2021 को 3 करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले 4 करोड़ के पार पहुंच गए थे।

चीन से आयातित रेडियल टायर पर डंपिंग-रोधी शुल्क को जारी रखने के लिए समीक्षा शुरु

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन से आयातित कुछ प्रकार के न्यूमैटिक रेडियल टायर पर डंपिंग-रोधी शुल्क को जारी रखने के लिए समीक्षा शुरू की है। घरेलू उद्योग से इस बारे में शिकायतें मिलने के बाद समीक्षा की जा रही है। वाहन टायर विनिर्माता संघ (एटीएमए) ने डीजीटीआर के समक्ष इस बारे में शिकायत की है। एटीएमए ने चीन से आयातित नए/बिना इस्तेमाल वाले न्यूमैटिक रेडियल टायर, ट्यूब वाले और ट्यूबलेस टायरों पर लागू डंपिंग-रोधी शुल्क की समीक्षा की मांग की है। इन टायरों का इस्तेमाल बस और ट्रक/लॉरी में होता है। डीजीटीआर ने अधिसूचना में कहा कि प्राधिकरण डंपिंग-रोधी शुल्क को जारी रखने की जरूरत की समीक्षा कर रहा है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि क्या टायरों पर डंपिंग-रोधी शुल्क के समाप्त होने से घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचेगा। केंद्र सरकार ने न्यूमैटिक रेडियल टायर पर डंपिंग-रोधी शुल्क 18 सितंबर, 2017 को लगाया था। यह इस साल 17 सितंबर को समाप्त हो रहा है।

यूएई और ऑस्ट्रेलिया ने भारत से किया मुक्त व्यापार समझौता, ईयू ने भी शुरू किए प्रयास

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत की अहमियत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि आज दुनिया का हर देश भारत के साथ अपने कारोबारी रिश्ते बढ़ाना चाहता है। पिछले दो महीनों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया है। ऑस्ट्रेलिया के साथ 10 साल की मेहनत के बाद एफटीए हुआ है। यूरोपियन यूनियन भी भारत के साथ एफटीए के लिए बातचीत आगे बढ़ा रहा है। दोनों पक्षों के बीच 2013 से बातचीत अटकी पड़ी है। भारत और ईयू के बीच एफटीए के मुद्दे पर इस साल तीन दौर की बातचीत होनी है। इसमें दोनों पक्षों के बीच व्यापक डील के लिए बेसिक फ्रेमवर्क्स तैयार किया जाएगा। जानकारों के मुताबिक भारत और ईयू अगले पांच साल में अपने द्विपक्षीय व्यापार को 220 अरब डॉलर से ऊपर पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। भारतीय प्रोफेशनलों के मूवमेंट और यूरोपियन फार्म प्रॉड्यूस पर भारत में ज्यादा टैरिफ लगने के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच 2013 में बातचीत रुक गई थी। ब्रिटेन भी भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में तेजी लाना चाहता है। उसके साथ भी इस साल अलग से औपचारिक बातचीत हो सकती है। ईयू से बाहर होने के बाद ब्रिटेन भारत के साथ जल्दी से जल्दी ट्रेड एग्रीमेंट करना चाहता है। भारत और अमेरिका के संबंधों में व्यापार एक प्रमुख चुनौती है। लेकिन दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर गहरे मतभेद हैं।

भारत ने फिर की यूक्रेन में शांति की अपील

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने एक बार फिर बातचीत के जरिए हल निकालने की वकालत की है। भारत ने कहा है कि किसी भी समस्या का समाधान मासूम लोगों का खून बहाकर नहीं निकाला जा सकता। यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल को संबोधित करते हुए भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई के दौरान महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा-यूक्रेन से ऐसी रिपोर्ट आ रही है कि बड़ी संख्या में औरतें और बच्चें अपना घर छोड़कर रिफ्यूजी जैसा जीवन जीने पर मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि करीब 44 लाख लोग अबतक यूक्रेन छोड़कर आसपास के देशों में जा चुके हैं जबकि करीब 70 लाख लोग यूक्रेन के भीतर हैं जो डर के साए में जीने को मजबूर हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध का भारत पर पड़ रहे असर का जिक्र करते हुए टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि हमें ये भी नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध की वजह से बहुत से विदेशी छात्रों का करियर संकट में पड़ गया है जिसमें भारत भी शामिल है। उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद करीब 22,500 भारतीय बच्चों को यूक्रेन की अलग-अलग यूनिवर्सिटी से निकालकर भारत ले जाया गया है। टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि यूक्रेन विवाद के बीच भारत शांति, वार्ता और कूटनीति के साथ खड़ा है। और कूटनीति के साथ खड़ा है। और कूटनीति के साथ खड़ा है। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमला किया था और अब दोनों देशों के बीच युद्ध का सातवां हफ्ता चल रहा है। यूक्रेन का दावा है कि रूस के हमले में अबतक दस हजार यूक्रेनी नागरिकों की मौत हो चुकी है।

CMYK

क्वाड वैश्विक कल्याण की एक शक्तिशाली ताकत बनकर उभरा : जयशंकर

वाशिंगटन ।

जापान में अगले महीने होने वाले क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) शिखर सम्मेलन से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का यह अनौपचारिक समूह वैश्विक कल्याण की एक शक्तिशाली ताकत बनकर उभरा है। जयशंकर ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच हुई 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने कहा, हम अमेरिका द्वारा क्वाड पर दिए गए ध्यान की सराहना करते हैं। इसके पिछले वर्ष उत्थान से संपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लाभ हुआ है। जयशंकर ने कहा, ''क्वाड वास्तव में वैश्विक कल्याण की एक शक्तिशाली ताकत के रूप में उभरा है।'' इससे पहले, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने संकेत दिया था कि आगामी क्वाड शिखर सम्मेलन 24 मई को जापान में आयोजित होगा, लेकिन व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने इसकी सटीक तिथि नहीं जाहिर की है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति एशिया जाने के इच्छुक हैं, लेकिन इस समय इस बारे में और जानकारी नहीं है। इस बारे में बात करने के बाद से वह स्पष्ट रूप से उत्साहित हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत को घुड़की, बोले- मानवाधिकारों का उल्लंघन चिंतनीय, कर रहे निगरानी

वॉशिंगटन ।

यूक्रेन पर रूसी हमले को लेकर भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में आई तनातनी के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि वह भारत में मानवाधिकारों के बढ़ते उल्लंघन की निगरानी कर रहा है। अमेरिका की ओर से भारत को मानवाधिकारों के मुद्दे पर सीधे-सीधे चेतावनी देने का यह अपने आप में दुर्लभ मामला बताया जा रहा है। इससे पहले अमेरिका की सांसद इल्हान उमर ने मोदी सरकार की मुस्लिमों के मानवाधिकारों को लेकर नीति की कड़ी आलोचना की थी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम अपने भारतीय सहयोगियों से इन साझा मूल्यों (मानवाधिकारों) को लेकर बातचीत करते रहते हैं। इसके लिए हम भारत में कुछ चिंताजनक घटनाक्रम की निगरानी कर रहे हैं। इसमें कुछ सरकारों, पुलिस और जेल अधिकारियों के मानवाधिकारों के उल्लंघन करने की बढ़ती घटनाएं शामिल हैं । ब्लिंकन ने इस पर और ज्यादा विवरण नहीं दिया। इस संवाददाता सम्मेलन के बाद जयशंकर और राजनाथ सिंह ने ब्लिंकन से बात की लेकिन मानवाधिकारों के उल्लंघन के मुद्दे पर कोई बयान नहीं दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब रूस को लेकर भारत और अमेरिका के संबंधों में तल्खी चल रही है। साथ ही अमेरिकी सांसद इल्हान उमर ने मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन पर भारत की नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना नहीं करने पर अमेरिका सरकार पर सवाल उठाए थे। बाइडेन की पार्टी की सांसद उमर ने पिछले दिनों कहा था कि मोदी सरकार मुस्लिमों के मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रही है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में मानवाधिकारों से संबंधित कई अहम मुद्दे हैं, ।

अतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, मुंबई व पठानकोट हमलावरों को न्याय के दायरे में लाए पाकिस्तान

वाशिंगटन ।

भारत और अमेरिका ने पाकिस्तान से उसके नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र का उपयोग आतंकी हमलों के लिए न किया जाना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तत्काल, निरंतर और अपरिवर्तनीय कार्रवाई करने की मांग की तथा 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले और पठानकोट हमले के दोषियों को न्याय के दायरे में लाने का आह्वान किया। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन तथा रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के बीच हुई टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान में पाकिस्तान से यह कदम उठाने की मांग की गई। बाइडन द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद भारत और अमेरिका के मंत्रियों ने सोमवार को पहली टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता की। शहबाज शरीफ के पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने के एक दिन बाद दोनों देशों का यह संयुक्त बयान आया है। संयुक्त बयान में कहा गया मंत्रियों ने पाक से उसके नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र का उपयोग आतंकवादी हमलों के लिए न किया जाना सुनिश्चित करने के लिए तत्काल निरंतर और अपरिवर्तनीय कार्रवाई की मांग की है। बयान के अनुसार, मंत्रियों ने आतंकवादी संगठनों और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने, हिंसक कट्टरपंथ का मुकाबला करने, आतंकवादी घोषित करने, आतंकवादी कृत्यों के लिए इंटरनेट के उपयोग और सीमा-पार आतंकवाद संबंधी सूचनाओं के निरंतर आदान-प्रदान के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। बयान में कहा गया कि मंत्रियों ने 'फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स' (एफएटीएफ) की सिफारिशों के अनुरूप, सभी देशों से धन-शोधन रोधी और आतंकवाद के वित्तपोषण अंतरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया।

कोरोना- डब्ल्यूएचओ ओमिक्रॉन के दो नए सबवेरिएंट्स बीए.4 और बीए.5 पर रखे हैं नजर

जिनेवा ।

कोरोना के घातक वायरस ओमिक्रॉन को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) काफी सतर्क है। वह ओमिक्रोन के बेहद ज्यादा संक्रामक वेरिएंट ओमिक्रॉन के दो नए सबवेरिएंट्स की निगरानी कर रहा है। इन सबवेरिएंट्स को बीए.4 और बीए.5 के नाम से जाना जाता है। इसके सबवेरिएंट्स की लिस्ट में पहले बीए.1.1 और बीए.3 के नाम भी जुड़ चुके हैं। वैश्विक स्तर पर इन दिनों बीए.1 और बीए.2 के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ इन दिनों नए स्ट्रेंस बिए.4 और बीए.5 की निगरानी कर रहा है। वह देखना चाहता है कि क्या ये सबवेरिएंट्स ज्यादा संक्रामक और खतरनाक हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, वैश्विक जीआईएसएआईडी डाटाबेस से पता चला कि अभी तक बीए.4 और बीए.5 के सिर्फ कुछ दर्जन मामले ही सामने आए हैं। ब्रिटेन की हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी (यूकेएचएसए) ने पिछले हफ्ते कहा कि 10 जनवरी से 30 मार्च के बीच दक्षिण अफ्रीका, डेनमार्क, बोत्सवाना, स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में बीए.4 के मामले सामने आए थे। पिछले हफ्ते तक बीए.5 के सभी मामले दक्षिण अफ्रीका में सामने आए थे, लेकिन सोमवार को बोत्सवाना के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 30 से 50 साल तक उम्र के सभी लोगों में बीए.4 और बीए.5 के चार मामलों की पहचान हुई थी। इन लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है और इनमें हल्के लक्षण सामने आए थे। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इनकी निगरानी शुरू कर दी गई है, क्योंकि उनमें अतिरिक्त म्यूटेशन देखने को मिला है। उनके असर को समझने के लिए ज्यादा स्टडी करने की जरूरत है। वायरस हर समय बदलते रहते हैं, लेकिन कुछ ही म्यूटेशंस की फैलने की क्षमता प्रभावित होती है या वैक्सीनेशन या संक्रमण से जुड़ी प्रतिरक्षा से बच पाते हैं या गंभीर बीमारी की वजह बनते हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत रूस और यूक्रेन से संबंधित मामले में अपने निर्णय खुद लेगा

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच डिजिटल शिखर सम्मेलन के दौरान रूस से तेल आयात के मुद्दे पर भारत से विशेष रूप से कुछ करने के लिये नहीं कहा है। साथ ही उसने यह रेखांकित किया कि भारत रूस और यूक्रेन से संबंधित विभिन्न मुद्दों के संबंध में अपने निर्णय स्वयं लेगा। दोनों नेताओं के बीच डिजिटल बैठक उस समय में हुई हैं, जब यूक्रेन संकट पर भारत के रुख और रियायती दामों पर रूस से तेल खरीदने के उसके फैसले से अमेरिका चिंतित है। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, दोनों नेताओं ने रूस और यूक्रेन से संबंधित सभी मुद्दों पर बात की। यह एक बहुत ही स्पष्ट वार्ता थी। मुझे लगता है कि आपने प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर भी गौर किया होगा। यह बहुत स्पष्ट वार्ता थी। अधिकारी ने कहा, जहां तक ऊर्जा से संबंधित मुद्दे की बात है तो यह निश्चित रूप से चर्चा का विषय था। हम भारत के बारे में जानते हैं ... हमने भारत को विशेष रूप से कुछ भी करने के लिए नहीं कहा है। हम बहुत खुली बातचीत कर रहे हैं। हम जानते हैं कि हमने जो किया है, वह सभी देश करने में सक्षम नहीं हैं।

अमेरिका पाकिस्तान के साथ अपने लंबे सहयोग को महत्व देता

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ अपने लंबे सहयोग को महत्व देता है, उसका हमेशा से मानना रहा है कि एक समृद्ध और लोकतांत्रिक पाकिस्तान इस क्षेत्र में अमेरिकी हितों के लिए महत्वपूर्ण है। शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे पाकिस्तान में राजनीतिक अनिश्चितता समाप्त हो गई। अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इमरान के अपदस्थ होने के बाद शरीफ पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री बने हैं। पाकिस्तान में प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रम पर सवाल के जवाब में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि अमेरिका इस्लामाबाद के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को महत्व देता है। उन्होंने कहा, ''हम पाकिस्तान के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को महत्व देते हैं और हमेशा एक समृद्ध और लोकतांत्रिक पाकिस्तान को अमेरिकी हितों के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। हमारा रवैया हमेशा यही रहा है, चाहे नेतृत्व कोई भी हो। हालांकि, साकी ने राष्ट्रपति जो बाइडन और शरीफ के बीच फोन कॉल की संभावना पर पूछने के सवाल का जवाब देने से परहेज किया।

टायरेनोसॉरस रेक्स की छोटी भुजाएं हैरान करती है सबको

लंदन । टायरेनोसॉरस रेक्स की छोटी भुजाएं भी शामिल हैं। टी रेक्स की तस्वीर जो वैज्ञानिक पेश करते हैं उसमें विशालकाय शरीर तो आकर्षित करता है, लेकिन छोटी भुजाएं हैरान ही करती हैं। नए अध्ययन में इन भुजाओं के अनोखी वजह बताई गई है। इस अध्ययन में अनोखी अवधारणा दी गई है कि टी रेक्स की छोटी भुजा होने के पीछे की वजह यह है कि कहीं दूसरे टीरेक्स गलती से या फिर दूसरे जानवरों को खाते समय जोश जोश में उनकी भुजा ना खा लें। इस तरह की भुजा होने से उनके कटने या खा लिए जाने की संभावना कम होती है।इस अध्ययन के प्रमुख लेखकऔर बर्कले की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के समग्रता जीवविज्ञानी केविन पेडियान ने बताया, क्या हो अलग बहुत से व्यस्क टायरेनोसॉर किसी एक जीव को खाने के लिए मिल जाएं। ऐसे में बड़े जबड़े और दांत वाले विशाल जीव एक साथ ही टूट पड़ेंगें और संभव है कि एक दूसरे को हटाने में अपनी भुजाएं इस्तेमाल करें। ऐसे में छोटी भुजाओं का फायदा मिलेगा क्योंकि उनका इस्तेमाल शिकार करने या खाने के लिए नहीं होता है।

चीन ने कोरोना के मामले सामने आने पर आगंतुकों के लिए बंद किया गया बंदरगाह शहर गुआंगझोऊ

बीजिंग । चीन के बंदरगाह शहर गुआंगझोऊ को, कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद सोमवार को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया। चीन के शंघाई शहर में संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। सोमवार को शंघाई में 26,087 मामले सामने आए, जिनमें से केवल 914 मामलों में ही संक्रमण के लक्षण दिखाई दिए। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए, दो करोड़ 60 लाख की आबादी वाले शंघाई में कड़ा लॉकडाउन लगाया गया है, जहां कई परिवारों को तीन सप्ताह से पहले घरों से निकलने की इजाजत नहीं है। हालांकि गुआंगझोऊ के लिए इस तरह के लॉकडाउन की घोषणा फिलहाल नहीं की गई है। यह बंदरगाह शहर हांगकांग के उत्तर पश्चिम में स्थित है और यहां कई बड़ी कंपनियों के दफ्तर हैं। गुआंगझोऊ में सोमवार को संक्रमण के 27 नए मामले सामने आए। पिछले सप्ताह स्थानीय स्तर पर संक्रमण के 23 मामले सामने आने के बाद प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों को बंद कर दिया गया था और ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई शुरू की गयी।

रूस से तेल आयात को बढ़ाना भारत के हित में नहीं है : बाइडन

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत में कहा कि रूस से तेल की खरीद बढ़ाना भारत के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऊर्जा आयात में और विविधता लाने में भारत की मदद करने को तैयार हैं। व्हाइट हाउस ने अपने एक बयान में यह जानकारी दी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई डिजिटल बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। साकी ने मोदी-बाइडन वार्ता के तुरंत बाद अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा कि वार्ता रचनात्मक रही और भारत के साथ संबंध अमेरिका और राष्ट्रपति के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। बैठक के दौरान बाइडन ने कहा कि रूस से अपने तेल आयात में तेजी लाना या इसे बढ़ाना भारत के हित में नहीं है। अभी भारत अपनी जरूरत का एक से दो फीसदीतेल रूस से जबकि 10 फीसदी तेल अमेरिका से आयात करता है। तेल रूस से जबकि 10 फीसदी तेल अमेरिका से आयात करता है। साकी ने कहा कि अमेरिका ऊर्जा संसाधनों में और विविधता लाने में भारत की मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत का रूस से तेल और गैस खरीदना किसी भी प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं है।

रुस की फिनलैंड और स्वीडन को चुनौती, नाटो में शामिल हुए तब अंजाम सही नहीं होगा

मास्को ।

यूक्रेन और रूस के बीच नाटो को लेकर इतना बड़ा युद्ध छिड़ गया, उसी राह पर फिनलैंड और स्वीडन भी आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। इसकारण मास्को ने इन दोनों ही देशों को खुली चेतावनी दे दी है, कि यदि ऐसा हुआ तब अंजाम सही नहीं होगा। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्काव का कहना है, कि फिनलैंड और स्वीडन का ये फैसला यूरोप में अस्थिरता ला सकता है। रूस ने साफतौर पर कहा है कि इन दोनों का ये फैसला संघर्ष के रास्ते पर ला सकता है। रूस की तरफ से ये बयान उस समय में दिया गया है,जब अमेरिका ने यूक्रेन पर रूस के हमले को एक बड़ी रणनीतिक भूल करार दिया है। अमेरिका का कहना है कि रूस की भूल ने नाटो के विस्तार को मौका दे दिया है। बता दें कि इसी वर्ष जून में नाटो का सम्मेलन मैड्रिड में होना है। सम्मेलन से पहले ही नाटो प्रमुख स्टोल्टनबर्ग के बयान ने फिर से राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर पारा बढ़ाने का काम किया है। स्टोल्टनबर्ग का कहना है, कि यदि ये दोनों देश नाटो में शामिल होना चाहिए, तब इस ऐसा संभव हो सकता है। उनके मुताबिक यदि वहां ऐसा चाहते हैं,तब इसकी प्रक्रिया को भी जल्द ही पूरा भी किया जा सकता है। माना ये भी जा रहा है कि नाटो के बयान पर दोनों देश जल्द ही कोई फैसला भी ले सकते हैं। बता दें कि यूक्रेन और रूस की जंग के बीच नाटो सबसे बड़ी वजह बना था। ये जंग दूसरे माह भी जारी है। इसकारण 40 लाख से अधिक लोगों को शरणार्थियों का जीवन वहीं जंग का असर केवल यहीं तक सीमित नहीं रहा है बल्कि इसकी वजह से समूचे विश्व में तेल और गैस के दामों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। इसके अलावा इसकी वजह से यूक्रेन के पड़ोसी देशों में खाद्य पदार्थों की कमी भी हो गई है। इसके बाद यदि फिनलैंड और स्वीडन नाटो की सदस्यता को लेकर आगे कदम बढ़ाते हैं,तब रूस उनके साथ ही यही व्यवहार कर सकता है ।

शहबाज प्रधानमंत्री बन गए, पर भ्रष्टाचार के मामले कोर्ट से खारिज होने तक स्वदेश नहीं लौटेंगे नवाज शरीफ

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ के नए प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनके बड़े भाई और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के निकट भविष्य में स्वदेश लौटने की कोई उम्मीद नहीं है। शहबाज शरीफ की पार्टी पीएमएल एन ने कहा है कि अभी नवाज शरीफ तत्काल स्वदेश नहीं लौट रहे हैं। पीएमएल एन ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब पार्टी समर्थक चाहते हैं कि नवाज शरीफ जल्द से जल्द पाकिस्तान लौट आएं। पीएमएल एन के कई वरिष्ठ नेताओं ने कहा शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री बनने से पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बहुत खुश हैं। हम आशा करते हैं कि आने वाले दिनों में नवाज शरीफ पाकिस्तान लौटेंगे। पीएमएल एन के एक नेता ने कहा, नवाज शरीफ का तत्काल स्वदेश लौटने का कोई इरादा नहीं है। शरीफ परिवार का मानना है कि अगर नवाज शरीफ जल्दी लौट आते हैं तो इमरान समर्थकों का वह दुष्प्रचार सच साबित हो जाएगा कि वह गंभीर रूप से बीमार नहीं हैं। शहबाज की पार्टी के नेता ने कहा कि इसमें एक अन्य कारण यह है कि नवाज शरीफ यह देखेंगे कि 11 दलों की यह गठबंधन सरकार आने वाले दिनों में किस तरह से काम करती है। वह भी तब जब इमरान खान जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए दबाव बना रहे हैं। नवाज शरीफ के पाकिस्तान लौटने की डेट के बारे में उनके एक करीबी नेता ने कहा नवाज शरीफ या तो अगले चुनाव या फिर उसके ठीक बाद स्वदेश लौटेंगे। अगर नवाज शरीफ को आम चुनाव से ठीक पहले भ्रष्टाचार के मामलों में थोड़ी राहत मिल जाती है, तो पार्टी उन पर दबाव बनाएगी कि वह देश लौटें और चुनाव प्रचार की कमान संभालें। पीएमएल नेता ने कहा इमरान खान के प्रचार का जवाब देने के लिए पीएमएल एन को नवाज शरीफ की जरूरत होगी। उन्होंने दावा किया कि चूंकि शहबाज सरकार कोशिश करेगी कि जल्द से जल्द नवाज शरीफ को कोर्ट से राहत मिल जाए, इमरान खान की पार्टी इसके खिलाफ दुष्प्रचार शुरू कर सकती है। उधर, पार्टी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि जब नवाज शरीफ का स्वास्थ्य ठीक हो जाएगा तब वह पाकिस्तान लौट आएंगे। नवाज शरीफ के बारे में दावा किया जाता है कि वह बीमार हैं और नवंबर 2019 से लंदन में रह रहे हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन बोले- चीन के दुस्साहस के विरुद्ध हमेशा भारत के साथ खड़ा रहेगा अमेरिका

वॉशिंगटन । अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भारत के साथ अपने रिस्तों को लेकर सकारात्मक बयान दिया है। भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका द्विपक्षीय टू-प्लस-टू वार्ता से पहले, अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह से कहा कि उनका देश भारत की उत्तरी सीमाओं पर चीन की ओर से किए जा रहे दुस्साहस के सामने उसकी संप्रभुता की रक्षा के लिए भारत के साथ खड़ा रहेगा। राजनाथ सिंह ने अपनी ओर से भारत और अमेरिका द्वारा उच्च तकनीक वाले हथियारों के सह-विकास और सह-उत्पादन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस कंपनियों को भारत में उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने के लिए मोदी सरकार की पहल का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। लॉयड ऑस्टिन ने पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना पर भारत-प्रशांत क्षेत्र में अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता को चुनौती देने का प्रयास करने का आरोप लगाया। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से कहा, 'बीजिंग आपकी (भारत की) सीमा पर दोहरे उपयोग वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण से लेकर दक्षिण चीन सागर में अपने गैरकानूनी दावों तक, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा को नष्ट कर रहा है। हम आपके साथ खड़े रहेंगे, क्योंकि आप अपने संप्रभु हितों की रक्षा करते हैं।' अमेरिकी रक्षा सचिव ने यूक्रेन के मुद्दे को उठाने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। उन्होंने कहा, 'बीजिंग अपने पड़ोसियों की सुरक्षा को कमजोर करने और बल द्वारा यथास्थिति को बदलने के अपने प्रयासों में अकेला नहीं है।

भारत और अमेरिका ने अंतरिक्ष पर किया समझौता, शोध कार्यक्रमों व सूचनाओं के आदान-प्रदान में मिलेगी मदद

वाशिंगटन ।

भारत और अमेरिका ने अंतरिक्ष में स्थिति को लेकर जागरूकता संबंधी एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए जिससे दोनों देशों के बढ़ते रक्षा सहयोग में एक नया अध्याय जुड़ा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने यह बात कही। इस समझौते पर सोमवार को टू प्लस टू मंत्री स्तरीय बैठक से इतर दोनों देशों के अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। बैठक की सह-मेजबानी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने की थी। इसमें भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाग लिया। टू प्लस टू मंत्री स्तरीय बैठक के बाद ऑस्टिन ने संवाददाताओं से कहा मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कुछ ही समय पहले हमने अंतरिक्ष में स्थिति को लेकर जागरूकता संबंधी एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये और इससे हमें अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा हम साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग गहरा कर रहे हैं जिसमें इस वर्ष के आखिर में प्रशिक्षण तथा अभ्यास आदि शामिल हैं। हम विविध क्षेत्रों में गठजोड़ के माध्यम से सूचनाओं के आदान प्रदान को बढ़ा रहे हैं। ऑस्टिन ने कहा कि दोनों देशों की आज महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता है जो अंतरिक्ष, साइबर क्षेत्र सहित उभरते रक्षा क्षेत्र में सहयोग तथा प्रौद्योगिकी संबंधी नवाचार को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा उदाहरण के तौर पर हम इस वर्ष के आखिर में नए रक्षा अंतरिक्ष आदान प्रदान को शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमारे अंतरिक्ष कमान और भारतीय रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के बीच होगा। उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन भारत की सुरक्षा संबंधी विभिन्न प्राथमिकताओं को सहयोग देने तथा सुरक्षा प्रदान करने की अपनी भूमिका को लेकर नयी दिल्ली के साथ मिल कर काम कर रहा है। दोनों देशों के बढ़ते रक्षा कारोबार एवं प्रौद्योगिकी सहयोग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा हमने हाल ही में हमारे रक्षा प्रौद्योगिकी एवं कारोबार पहल के तहत मानव रहित हवाई वाहन बनाने को लेकर साथ काम करने के समझौते को अंतिम रूप दिया। उन्होंने कहा आज हमने नई आपूर्ति श्रृंखला सहयोग कदमों की शुरूआत करने पर सहमति व्यक्त की जिससे हमें एक दूसरे की प्राथमिकता वाली रक्षा जरूरतों को तेजी से समर्थन देने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा भारत, अमेरिकी रक्षा उपकरणों की खरीद जारी रखेगा और यह दोनों देशों के रक्षा औद्योगिक आधार क्षेत्रों मे नये संबंधों को बढ़ावा दे रहा है।

CMYK

सुविचार — मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं। -महात्मा गांधी

संपादकीय

हजूर बाबा सावन सिंह जी ने लाखों लोगों को अध्यात्म के रास्ते पर चलाया - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

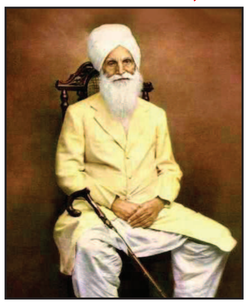

हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज के 74वें बरसी भंडारे के अवसर पर सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने यू-ट्यूब पर शिकागो, अमेरिका से लाईव टेलीकास्ट के ज़रिये अपना पावन संदेश समस्त मानवजाति को दिया।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने इस विशेष अवसर पर अपने संदेश में कहा कि, हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज ने अपनी दया और दिव्य-प्रेम के द्वारा लाखों लोगों के जीवन को रोशन कर दिया। उन्होंने इस अंधकार से भरी दुनिया में प्रभु की ज्योति को फैलाया जिससे कि उनका ध्यान रूहानियत की ओर हुआ और वे अध्यात्म के रास्ते पर अग्रसर हुए। उन्होंने उन सभी लोगों को प्रभु की ज्योति और प्रेम का अनुभव भी प्रदान किया।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने पिछली शताब्दी के महान संत द्वारा दिखाए गए आध्यात्मिक मार्ग को समझाते हुए कहा कि उनके द्वारा दिया गया प्रेम और एकता का संदेश किसी आस्था या धर्म से संबंधित न होकर पूरे विश्व के लिए था। जिन लोगों ने उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को अपने जीवन में ढाला, वे मनुष्य जीवन के वास्तविक उद्देश्य को जान पाए और अंत में वे सभी अपनी आखिरी मंज़िल यानि पिता-परमेश्वर तक पहुँच गए। वे चाहते थे कि हम अपने जीवन के मुख्य ध्येय जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना है, को जाने और उसे पूरा करने में अपने कदम बढ़ाएं।

बाबा सावन सिंह जी महाराज का जन्म 27 जुलाई 1858 को ग्राम महिमासिंहवाला, जिला लुधियाना, पंजाब में हुआ। वे अपने सत्संगों के ज़रिये समझाया करते थे कि पिता-परमेश्वर की संतान होने के नाते हममें से हरेक उन्हें पा सकता है जोकि हमारे इस मनुष्य जीवन का मुख्य उद्देश्य है।

उन्होंने मानव-जाति के कल्याण हेतु आध्यात्मिक जागृति की भविष्यवाणी की थी कि पश्चिम के देशों में रूहानियत बड़ी तेजी से फैलेगी। उनके पश्चात परम संत कृपाल सिंह जी महाराज और संत दर्शन सिंह जी महाराज ने विश्वभर में अनेक यात्राएं करके रूहानियत की इस तालीम को जन-जन तक पहुँचाया और आज भी वो रूहानी कार्य सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज द्वारा हम सबका मार्गदर्शन कर रहा है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज संपूर्ण विश्व में ध्यान-अभ्यास द्वारा प्रेम, एकता व शांति का संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उन्हें विभिन्न देशों द्वारा अनेक शांति पुरस्कारों व सम्मानों के साथ-साथ पाँच डॉक्टरेट की उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के संपूर्ण विश्व में 3200 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं तथा मिशन का साहित्य विश्व की 55 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, अमेरिका में स्थित है।

आज के कार्टुन

प्लास्टिक की खोज और उसके पर्यावरणीय खतरे

(पर्यावरण चिंतन/ लेखक- योगेश कुमार गोयल)

दुनियाभर में वातावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कुछ प्रमुख कारकों में से प्लास्टिक एक प्रमुख कारक है। 'प्लास्टिक' शब्द ग्रीक शब्द प्लास्टिकोज और प्लास्टोज से बना है, जिसका अर्थ है जो लचीला है या जिसे ढ़ाला, मोड़ा या मनमर्जी का आकार दिया जा सके। 21वीं सदी में पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में प्लास्टिक बहुत बड़ी समस्या के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसके खतरों से पूरी दुनिया त्रस्त है। कनाडा के हैलीफैक्स शहर में तो वर्ष 2018 में प्लास्टिक कचरे के ही कारण इमरजेंसी लगानी पड़ी थी। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या दिनों-दिन विकराल हो रही है, जो न केवल हर दृष्टि से प्रकृति पर भारी पड़ रही है बल्कि मानव जाति के साथ-साथ धरती पर विद्यमान हर प्राणी के जीवन के लिए भी बड़ा खतरा बनकर उभर रही है। यही कारण है कि भारत सरकार द्वारा देश को 'सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त भारत' बनाने की दिशा में 1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए जाने की घोषणा की जा चुकी है। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार उसके बाद पॉलीस्टाइनिन और एक्सपैंडेड पॉलीस्टाइनिन सहित सिंगल यूज वाले प्लास्टिक के उत्पादन, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। प्लास्टिक में बहुत सारे ऐसे रसायन होते हैं, जो कैंसर और हृदय रोग सहित कई गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। आज प्लास्टिक कचरे से देश का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं है और प्लास्टिक अब आम जनजीवन का इस कदर अहम हिस्सा बन चुका है कि तमाम प्रयासों के बावजूद इस पर अंकुश लगाने में सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही है, न ही अब तक इसका कोई भरोसेमंद विकल्प खोजा जा सका है। यह जान लेना भी दिलचस्प और जरूरी है कि प्लास्टिक की खोज कब और कैसे हुई थी? हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर प्रकाशित अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने इसका उल्लेख विस्तार से किया है। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के मुताबिक मनुष्य निर्मित प्लास्टिक 'पार्केसाइन' का पेटेंट सबसे पहले वर्ष 1856 में बर्मिंघम इंग्लैंड के अलेक्जेंडर पार्क्स ने कराया था, जो 1862 में अपने वास्तविक रूप में दुनिया के सामने उस समय आया था, जब पहली बार 1862 में लंदन की अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में उसे रखा गया था। प्राकृतिक रबर, जिलेटीन, कोलेजीन, नाइट्रोसेल्युलोज जैसे पदार्थ प्लास्टिक के पहले उपलब्ध पदार्थ थे। 1866 में अलेक्जेंडर पार्क्स ने पार्केसाइन कम्पनी बनाकर इसका बड़े स्तर पर उत्पादन शुरू किया। पॉलिथीन दुनिया का सबसे लोकप्रिय प्लास्टिक है, जिसे सबसे पहले जर्मनी के हैंस वोन पैचमान ने वर्ष 1898 में अचानक ही खोज लिया था। प्रयोगशाला में एक प्रयोग करते समय उन्होंने सफेद रंग के मोम जैसा एक पदार्थ बनते देखा, जिसका नाम पॉलिथीन रखा गया। 1900 में पूरी तरह से सिंथेटिक, फिनोल और फॉर्मेल्डीहाइड का उपयोग करके प्लास्टिक बनाना शुरू कर दिया गया था और जर्मनी तथा फ्रांस में कैसीन से निर्मित प्लास्टिक का व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ हो गया था। बेल्जियम मूल के अमेरिकी नागरिक डा. लियो हेंड्रिक बैकलैंड ने भी प्लास्टिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने 1907 में फेनॉल तथा फॉर्मेल्डीहाइड की अभिक्रिया में कुछ परिवर्तन करके सिंथेटिक पद्धति से एक ऐसा प्लास्टिक निर्मित किया, जिसका उपयोग कई उद्योगों में किया जा सकता था। उन्होंने फेनॉल तथा फॉर्मेल्डीहाइड को मिलाकर गर्म किया, जिसे ठंडा करने पर एक कठोर पदार्थ मिला। बाद में उन्होंने इसमें लकड़ी का बुरादा, एस्बेस्टस और स्लेट पाउडर मिलाकर कई और चीजें भी बनाई। बेकलैंड के नाम पर ही उस नए प्लास्टिक का नाम 1912 में 'बैकेलाइट' रखा गया था। अपने इस आविष्कार के बाद बैकलैंड ने कहा भी था कि अगर वह गलत नहीं हैं तो उनका यह अविष्कार (बैकेलाइट) भविष्य के लिए अहम साबित होगा। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद प्लास्टिक बनाने की तकनीक में जबरदस्त विकास हुआ। औद्योगिक रूप से पॉलिथीन का आविष्कार 27 मार्च 1933 को ब्रिटेन के चेशायर प्रांत के नॉर्थविच शहर में दुर्घटनावश हुआ था। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में बताया गया है कि कैमिस्टों की एक टीम आईसीआई वेलरस्कॉट प्लांट में पॉलीमर की खोज कर रही थी। उसी खोज के दौरान एक रात उनका यह प्रयास दुर्घटनावश विफल हो गया लेकिन उसी खोज के दौरान सफेद रंग का एक पदार्थ निकला, जो खोजकर्ताओं के अनुसार बिल्कुल सही नहीं था। वहां मौजूद युवा कैमस्टि जॉर्ज फीचम इस आविष्कार के गवाह बने थे। हालांकि उस वक्त वह भी नहीं जानते थे कि यह तरल पदार्थ क्या है और यह अच्छा है या बुरा। इसी पदार्थ ने औद्योगिक रूप से पॉलिथीन का रूप ले लिया। दैनिक जीवन में इस्तेमाल की जा सकने पॉलिथीन की इसी खोज को दुनियाभर में मान्यता मिली। प्लास्टिक की खोज मानव सभ्यता के लिए एक क्रांतिकारी खोज इसलिए मानी गई थी क्योंकि उससे पहले जो वस्तुएं लोहा, लकड़ी इत्यादि अन्य पदार्थों से बनाई जाती थी, ऐसी बहुत सी वस्तुएं प्लास्टिक से बनाई जाने लगी। दरअसल प्लास्टिक अन्य पदार्थों की तुलना में कई कारणों से बेहतर था। इससे बनाई जाने वाली वस्तुएं न तो जल्दी से टूटती हैं, न ही लकड़ी या कागज की भांति सड़ती हैं और न ही किसी भी वातावरण के अंदर इन वस्तुओं पर लोहे की भांति जंग लगता है। प्लास्टिक के ऊपर जल्दी से किसी भी प्रकार के वातावरण का प्रभाव नहीं पड़ता। प्लास्टिक से बनी वस्तुएं लोहे या अन्य धातुओं से बनी वस्तुओं के मुकाबले सस्ती और लंबे समय तक टिकने वाली होती हैं, इसीलिए आधुनिक युग में प्लास्टिक का उपयोग निरन्तर बढ़ता गया। प्लास्टिक चूंकि विद्युत का कुचालक होता है और इसकी आयु भी बहुत लंबी होती है, इसलिए इसकी इन्हीं खूबियों को देखते हुए इससे विद्युतीय उपकरण भी बनाए जाते हैं। प्लास्टिक की सबसे बड़ी विशेषता है इसे आसानी से किसी भी आकार में बदल सकना तथा इसके अंदर कोई और पदार्थ मिलाकर अन्य वस्तुएं बना लेना, जो बहुत टिकाऊ साबित होती हैं। यही कारण है कि प्लास्टिक आज हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन चुका है, जिसका इस्तेमाल हमारी रोजमर्रा की हर तरह की जरूरतें पूरी करने में हो रहा है। पिछली सदी में जब विविध रूपों में प्लास्टिक की खोज की गई थी तो इसे मानव सभ्यता और विज्ञान की बहुत बड़ी सफलता माना गया था किन्तु आज यही प्लास्टिक पृथ्वीवासियों के जी का जंजाल बन गया है, इसीलिए इससे छुटकारा पाने के लिए शुरूआती चरण में सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति की दिशा में कदम आगे बढ़ाए गए हैं। दरअसल 'स्वच्छ भारत अभियान' में पॉलिथीन आज सबसे बड़ी बाधा है और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाए जाने का कारण यही है कि यदि इसका प्रयोग नहीं रोका गया तो भू-रक्षण का नया स्वरूप सामने आएगा और फिर जमीन की उत्पादकता वापस प्राप्त करना नामुमकिन होगा। विकास के साथ-साथ देश के तमाम शहरों में प्लास्टिक कचरा बढ़ रहा है और इसी कारण चारों ओर बिखरी पॉलीथीन के चलते लगभग सभी शहरों में ड्रेनेज सिस्टम ठप्प पड़े रहते हैं। नॉन बायोडिग्रेडेयल प्लास्टिक थैलियों को जमीन में विघटित होकर नष्ट होने में करीब एक हजार साल लंबा समय लगता है, जिसका सीधा और स्पष्ट अर्थ है कि हम अपनी थोड़ी सी सुविधाओं के लिए इन थैलियों का इस्तेमाल कर धरती को अगले एक हजार वर्षों के लिए प्रदूषित कर रहे हैं।

लेखक -चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

नई फ़सल कटने की खुशी का पर्व है वैसाखी!

(लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन)

गर्मियां शुरू होते ही जब गेहूं की फसल पक जाती है तो उसकी कटाई की खुशी का खास पर्व है वैशाखी।वैशाखी पर्व सिख धर्म के पवित्र पर्वो में से एक है। वैशाखी पर्व हर वर्ष 13 अप्रैल को मनाया जाता है,जो सौर वर्ष की शुरुआत का प्रतीक भी है। वैशाखी विशेष रूप से पंजाब और उत्तर भारत के कई राज्यो में मनाया जाता है। सिख समुदाय के लिए वैशाखी का एक विशेष महत्व है क्योंकि यह खालसा की स्थापना का प्रतीक दिवस है। इस दिन, दसवें और अंतिम गुरु - गुरु गोबिंद सिंह ने सिखों को खालसा अर्थात शुद्ध लोगों के रूप में संगठित किया था। ऐसा करके, उन्होंने छोटे बड़े के मतभेदों को समाप्त कर दिया और मान्यता दी कि सभी मनुष्य एक समान हैं। सिख पंथ के नानकशाही कैलेंडर के अनुसार वैशाख माह के पहले दिन को वैसाखी त्यौहार के रूप मे मनाया जाता है। हिंदू मतानुसार सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने अर्थात मेष संक्रांति के दिन वैसाखी त्यौहार होता है। मेष संक्रांति आमतौर पर 14 अप्रैल को ही पड़ती है, परन्तु हर छत्तीस साल में एक बार 15 अप्रैल को भी हो सकती है। हालांकि खालसा की स्थापना के बाद, अब वैसाखी के लिए 13 अप्रैल को हमेशा के लिए ही स्वीकार कर लिया गया है। आमतौर पर एक गलत अवधारणा यह है कि वैसाखी चैत्र नववर्ष के दिन होती है। परंतु नववर्ष चैत्र प्रतिपदा के दिन पर मनाया जाता है, जो आमतौर पर मार्च और अप्रैल के किसी भी दिन पड़ सकता है। वैशाखी पंजाब के लिए एक फसल उत्सव है और पंजाबी कैलेंडर के अनुसार पंजाबी नए साल का प्रतीक है। पंजाब के गांवों में, वैशाखी के दिन मेले का आयोजन किया जाता है। इस दिन को किसानों द्वारा फ़सल के लिए धन्यवाद दिवस के रूप में भी माना जाता है, जिससे किसान अपनी अच्छी फ़सल होने पर भगवान को धन्यवाद देते हैं और भविष्य की समृद्धि के लिए भी प्रार्थना करते हैं। वैशाखी मुख्य रूप से किसी गुरुद्वारे या फिर किसी खुले क्षेत्र में मनाई जाती है, जिसमें लोग भांगड़ा और गिद्दा डांस करते हैं। लोग तड़के सुबह उठकर गुरूद्वारे में जाकर प्रार्थना करते हैं।गुरुद्वारे में गुरुग्रंथ साहिब जी के स्थान को जल और दूध से शुद्ध किया जाता है।उसके बाद पवित्र किताब को ताज के साथ उसके स्थान पर रखा जाता है।फिर गुरुग्रन्थ साहब को पढ़ा जाता है और अनुयायी ध्यानपूर्वक गुरू की वाणी सुनते हैं।इस दिन श्रद्धालुयों के लिए विशेष प्रकार का अमृत तैयार किया जाता है जो सबको बाँटा जाता है।परंपरा के अनुसार, अनुयायी एक पंक्ति में लगकर अमृत को पाँच बार ग्रहण करते हैं।अपराह्न में अरदास के बाद प्रसाद को गुरू को चढ़ाकर अनुयायियों में वितरित की जाती है। अंत में लोग लंगर चखते हैं। वैशाखी के दिन से गेहूं, तिलहन, आदि की फसल की कटाई शुरू होती है। शाम के समय लोग आग के पास इकट्ठा होकर नई फसल की खुशियाँ मनाते हैं। इस दिन सुबह 4 बजे गुरु ग्रंथ साहिब को कक्ष से बाहर लाया जाता है और दूध और जल से प्रतीकात्मक स्नान करवाने के बाद तख्त पर बैठाया जाता है। इस दिन जगह-जगह लंगर का आयोजन किया जाता है। बैसाखी पर दिनभर गुरु गोविंद सिंह और पंच प्यारों के सम्मान में कीर्तन गाए जाते हैं। सिख धर्म में श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी द्वारा बनाए गए खालसा पंथ की शुरुआत भी इसी दिन से ही हुई थी। इस दिन सिख धर्म के लोग गुरुद्वारों को सजाते हैं और जुलूस निकालते हैं।भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में बैसाखी को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। जैसे, उत्तराखंड में इसे बिखोती के रूप में जाना जाता है। केरल में इसे विशु कहा जाता है और असम में इसे 'बोहाग बिह' कहा जाता है। बंगाल में इसे पाहेला बेशाख के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा तमिल में इसे पुत्थांडु और बिहार में जुर्शीतल के नाम से जाना जाता है। गुरु तेग बहादुर (सिखों के नवें गुरु) औरंगज़ेब से युद्ध करते हुए शहीद हो गये थे।

तेग बहादुर उस समय मुगलों द्वारा हिन्दुओं पर किए जाने अत्याचार के ख़िलाफ़ लड़ रहे थे। तब उनकी मृत्यु के पश्चात उनके पुत्र गुरु गोबिन्द सिंह अगले गुरु हुए। सन् 1650 में पंजाब मुगल आतताइयों, अत्याचारियों और भ्रष्टाचारियों का दंश झेल रहा था, यहाँ समाज में लोगों के अधिकारों का हनन खुलेआम हो रहा था और न ही लोगों को कहीं न्याय की उम्मीद नज़र आ रही थी। ऐसी परिस्थितियों में गुरू गोबिन्द सिंह ने लोगों में अत्याचार के ख़िलाफ़ लड़ने, उनमें साहस भरने का बीड़ा उड़ाया। उन्होंने आनंदपुर में सिखों का संगठन बनाने के लिए लोगों का आवाह्न किया। और इसी सभा में उन्होंने तलवार उठाकर लोगों से पूछा कि वे कौन बहादुर योद्धा हैं जो बुराई के ख़िलाफ शहीद हो जाने के लिए तैयार हैं। तब उस सभा में से पाँच योद्धा निकलकर सामने आए और यही पंच प्यारे कहलाए जिसे खालसा पंथ का नाम दिया गया।यही खालसा पंथ आज देश और समाज की रक्षा का प्रतीक है।साथ ही नई फ़सल आने की खुशी में वैशाखी हर वर्ष एक खास पर्व बन जाता है। जिसके लिए सभी को लख लख बधाई।

पहचान

सद्गुरु

अगर तार्किक रूप से देखा जाए तो किसी चीज से अपनी पहचान न बनाने का मतलब है कि आपके और आपके काम के बीच एक दूरी है। लेकिन पहचान नहीं बनाने का मतलब उसके साथ जुड़ाव न रखना नहीं है। दरअसल, जब आप कोई पहचान नहीं रखते तो आप सजग रूप से खुद को जोड़ सकते हैं। अगर आप अपने जीवन की हर स्थिति में खुद को झोंक नहीं देते, तो इसकी सिर्फ एक वजह है कि आपने अपनी पहचान बहुत गहरी बना रखी है। आप खुद को जीवन के साथ सचमुच तभी जोड़ पाएंगे, जब आप इससे अपनी पहचान स्थापित नहीं करेंगे। यह बात विचार और हालात दोनों पर ही लागू होती है। मान लीजिए, आपके प्रियजन के साथ कुछ घटित हुआ और आपने उनके साथ अपनी पहचान बनाकर नहीं रखी है, तब भी आप अपनी तरफ से हर चीज अपनी पूरी क्षमता के साथ करेंगे। आपकी पहचान स्थापित न होने का मतलब यह नहीं है कि आप का प्रेम, आपका लगाव सब कुछ चला गया। अगर आपने अपनी पहचान बनाई होगी, तो आप शायद सो नहीं पांएगे, खा नहीं पाएंगे, आप वो सब कुछ ठीक तरह से नहीं कर पाएंगे, जो सामान्य स्थिति में आप करते। अब तक सारे लोगों ने, सारे अज्ञानी लोगों ने आपको हमेशा यकीन दिलाया है कि आपका कोई अपना बीमार होता है, या उसके साथ कुछ बुरा होता है तो आपको पूरी तरह से टूट जाना चाहिए, नहीं तो समझा जाएगा कि आप उन्हें प्यार नहीं करते। जबकि यह सच नहीं है। प्रेम असमर्थता नहीं है, प्रेम एक क्षमता है। प्रेम प्रतिबद्धता है। बिल्कुल जरूरी नहीं है कि आप बिखर जाएं। अपनों को मुश्किल में पाकर आप टूट जाते हैं, तो इसकी साधारण सी वजह है कि आप उनसे अपनी पहचान बनाए हुए हैं, इसकी वजह यह नहीं है कि आप उनसे जुड़े हुए हैं। तब आपको जीवन का आनंद लेने में अपराधबोध महसूस होता है। घर पर कोई बीमार है, मैं हंस रहा हूं, इसे लेकर तो अपराधबोध महसूस करना चाहिए-ये सब बकवास बातें हैं। एक इंसान बीमार है, तो पूरी दुनिया को बीमार होने की जरूरत नहीं है। बेहतर होगा कि बाकी लोग आनंदित रहें और बीमार के लिए जो बेहतर हो सकता है करें। उसके प्रति हमदर्दी दिखाने के लिए सबका बीमार पड़ जाना तो ठीक नहीं है न?

सू-दोकू नवताल -2091

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

सू-दोकू - 2090 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2091

1		2		3	■	4		5	■
	■		■	6	7		■	8	
9			■	10		■	11		■
■	■	12	13		■	14		■	15
16		■		■	17	■	18	19	
	■	20	■	21			■		■
22			■	23		■	24	■	25
	■	26	27		■	28		29	
■	30	■		■	31		■		■
32			■	33			■	34	

बायें से दायें:-

1. फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजय दत्त के साथ नायिका कौन थी-2,3
4. बॉबी देओल, करिश्मा कपूर की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-3
6. अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
8. मोहित अहलावत, निशा कोठारी की 'कैसे कहें तम्हें कैसे कहें' गीत वाली फिल्म-2
9. सैफअली खान,काजोल की फिल्म-3
10. फिल्म 'विक्टोरिया नं.203' में ओम पुरी के किरदार का नाम-2
11. शाहरुख, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय, प्रिया गिल की फिल्म-2
12. किरण झंजानी, गणेश यादव, प्रीति झंगियानी, ईशा कोप्पिकर, तारा शर्मा की 'मेहंदी लाया साजन मेरा' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'घातक' में सनी देओल के किरदार का नाम-2
16. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-2
18. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-3
21. देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-3
22. 'सात सहेलियां खड़ी खड़ी' गीत वाली फिल्म-3
23. गोविंदा, सोनम की 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली फिल्म-2
26. बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, उर्वशी शर्मा की फिल्म-3
28. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होंठों पे' गीतवाली फिल्म-4
31. मिथुन, स्वाति, मानवी गोस्वामी की फिल्म-2
32. अजय देवगन, आयशा टाकिया की फिल्म-3
33. राजेंद्र कुमार, कामिनी कदम की 'हाथों में किताब है' गीत वाली फिल्म-3
34. फिल्म 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी-2

ऊपर से नीचे:-

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की 'मिलन अभी अधूरा है' गीत वाली फिल्म-3
2. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली शाहरुख खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-4
3. राजेश खन्ना, श्रीदेवी, स्मिता पाटिल की 'इससे पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म-4
4. 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली दिलीप कुमार, निम्मी की फिल्म-2
5. परदेसी अनजाने से लगते हैं' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही के किरदार का नाम-2
11. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी,मीनाक्षी की फिल्म-3
13. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-2
15. शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
16. 'धीरे धीरे इस दिल का' गीत वाली शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म-2,2
17. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
19. दिलीपकुमार, रेखा,ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
20. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
21. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी गली में' गीत वाली भारतभूषण, नूतन की फिल्म-3
24. ऋतिक रोशन, करिश्मा कपूर, नेहा की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-2
25. 'ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी ले लो' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-2
27. अजय, जॉन, विवेक, लारा, एशा देओल की 'तौबा तौबा इश्क' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जीवन भर ढूंढ़ा जिस को' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3
29. 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीतवाली फिल्म-3
30. सनी देओल, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
31. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2090

उ	म	रा	व	जा	न	■	आ	गा	ज
मं	■	हु	■	न	■	र	ति	■	मा
ग	ज	ल	■	शी	बा	■	श	बा	ना
■	मी	■	अ	न	जा	ना	■	रू	■
स	र	ग	म	■	र	■	स	द	मा
हे	■	द	ला	ल	■	सु	र	■	ई
ली	ड	र	■	ज्जा	■	ख	■	खे	ल
■	कै	■	का	■	सो	■	आ	■	व
रा	त	औ	र	दि	न	■	रो	■	■
खी	■	■	वां	■	म	न	प	सं	द

बढ़ रही है इमेज कंसल्टैंट सेवाओं की मांग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टीच्यूट भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

करियर उन्मुखी होते हैं पत्राचार पाठ्यक्रम

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है। देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

कॉस्मेटिक समस्याओं का निदान करते हैं डर्मेटोलॉजिस्ट

मेडिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते। त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार में उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

योग्यता – फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा की पढ़ाई की जा सकती है।

करियर को दिशा देती है सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

लोगों में प्रतिभा तो होती है परंतु उसे समझने और निखारने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए कई संस्थानों में संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.

सॉफ्ट स्किल की क्षमता आपके करियर को नई दिशा देती है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग तकनीकी रूप से बड़े प्रतिभावान होते हैं. साथ ही, वे अपने क्षेत्र में निपुण भी होते हैं किंतु एक निश्चित बिंदु पर उनके करियर में ठहराव-सा आ जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता, समूह में काम करना, सामाजिक सम्प्रेषण और संबंध निर्माण आदि कौशल का अभाव होता है. सॉफ्ट स्किल व्यापक क्षेत्र है, जिसमें सम्प्रेषण कौशल, श्रवण कौशल, टीम कौशल, नेतृत्व के गुण, सृजनात्मकता और तर्कसंगत, समस्या निवारण, कौशल और परिवर्तनशीलता आदि सम्मिलित हैं. सॉफ्ट स्किल के गुण किताबों से नहीं सीखे जाते, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण कारगर होते हैं. यदि आप सही अर्थों में अपने व्यक्तित्व में सॉफ्ट स्किल्स जोड़ना चाहते हैं तो आपको एक अच्छा, मेहनती और सीखने वाला बनकर उन सब बातों को, जो कुछ भी आपने व्यावहारिक रूप से ग्रहण किया है, व्यवहार में लाना होगा. कुछ ऐसे सॉफ्ट स्किल्स भी हैं जो आपकी रोजगार की संभावनाओं और व्यक्तित्व में सुधार कर स्थायी और अच्छी सैलरी पर नौकरी प्राप्त करने में सहयोग करता है.

प्रभावी सम्प्रेषण

कौशल प्रभावी सम्प्रेषण कौशल में सार्वजनिक भाषणों, प्रस्तुतीकरण, बातचीत, संघर्ष समाधान ज्ञानिवतरण आदि के लिए मौखिक कौशल, अनुदेश मैनुअल तैयार करना, ज्ञापन, सूचनाएं लिखना, कार्यालयीन पत्र व्यवहार आदि के लिए लेखन कौशल शामिल हैं. इनमें मौखिक और गैर-मौखिक, दोनों ही शामिल है. चूंकि हमारा सम्प्रेषण का आधिकारिक माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए इसमें कुछ हद तक अंग्रेजी में दक्षता होनी जरूरी है.

सामूहिक कार्य

कौशल अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक कार्य कौशल उच्चतर उत्पादकता तथा बेहतर वातावरण के लिए योगदान करते हैं क्योंकि इनसे व्यक्ति संयुक्त लक्ष्य हासिल करने हेतु मिलकर कार्य करते हैं. यह सम्प्रेषण टीम सदस्यों के बीच एक गतिशील पारस्परिक क्रिया की स्थापना, फीडबैक का आमंत्रण, उसे प्रदान करना तथा संघर्ष की स्थिति को हल करना अपेक्षित होता है.

ज्ञानात्मक कौशल

अपने रोजमर्रा के जीवन में अक्सर आपको ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जब आप सही फैसले करने में असमर्थ होते हैं. आपके सामने ऐसी स्थितियां उत्पन्न होने की ज्यादा संभावनाएं उस वक्त होती हैं जब आप किसी संगठन में कार्य करते हैं. ऐसी दबावपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए आपको कुछेक ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो आपको निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं अन्वेषणात्मक समाधान विकसित करने, व्यावहारिक हल ढूंढने, समस्याओं का स्वतंत्र रूप से पता लगाने, उनको हल करने और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं के निदान में कार्य नीतियां लागू करने में मददगार हो सकते हैं.

नौकरियां

आजकल ज्यादातर संगठन अपने कर्मचारियों में उनके सकारात्मक, सम्प्रेषण, अंतर्वैयक्तिक और टीम कौशल, समस्या निदान, अनुकूलनशीलता और कार्य पद्धति में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. इससे एक तरफ जहां उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ संगठन की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है. अत-सॉफ्ट स्किल में पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कोई व्यक्ति किसी निजी या सार्वजनिक संगठन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता है. इसके अलावा, आप अपना स्वयं का ट्रेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं.

व्यक्तित्व संबंधी गुण

समय के साथ-साथ अब फोकस एक सामान्य व्यक्ति से सुशिक्षित और परिष्कृत व्यक्तित्व की ओर हो गया है. विभिन्न संगठनों, खासकर कंपनियों को ऐसे व्यक्तियों की तलाश रहती है जो कुशाग्र और सुशिक्षित होते हैं. उनमें ऐसे सम्प्रेषण कौशल होने चाहिए कि वे सबसे आगे रहें. इसके लिए वे अपने कर्मचारियों को भर्ती के उपरांत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं लेकिन वे उन व्यक्तियों को वरीयता देते हैं जो पहले से अपने क्षेत्र में बेहतर होते हैं. चूंकि ज्यादातर लोग प्रतिभाओं के साथ जन्म लेते हैं, परंतु उन्हें परिष्कृत और शिक्षित करने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाजार में बहुत से संस्थान संचालित किए जा रहे हैं. ये संस्थान काफी धन अर्जन कर रहे हैं और इस तरह सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों को आकर्षक रोजगार का विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

वेतन

इस सेक्टर में काफी अच्छा वेतन है. चूंकि यह कल्चर प्राइवेट कंपनियों और वैश्वीकरण के कारण तेजी फला-फूला है, इसलिए इसकी ग्रोथ भी ज्यादा है.

योग्यताएं

पहले इस फील्ड में पाठ्यक्रम नहीं चलाए जाते थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है क्योंकि सभी इंजीनियरिंग और प्रबंध संस्थानों में तकनीकी कौशल एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होता है. वहां पर छात्रों को साक्षात्कार और समूह र्चचा में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित अन्य वैयक्तिक कौशलों के साथ-साथ प्लेसमेंट और सम्प्रेषण कौशलों के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाता है.

पहली बार में क्रैक करना है आईआईटी जेईई तो अपनाएं ये आसान टिप्स

अगर आप आईआईटी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, तो कुछ जरूरी टिप्स को अपनाना बिल्कुल न भूलें। इनकी मदद से आप पहली बार में एग्जाम क्लियर कर पाएंगे

जेईई मेन्स जेईई मेन्स की परीक्षा में अच्छे पर्सेंटाइल लाने वाले कैंडिडेट्स जेईई एडवांस्ड की तैयारी में जुट चुके हैं। साल भर की मेहनत तो बेहतर रिजल्ट का कारण है ही साथ ही परीक्षा से पहले अंतिम दिनों की मेहनत भी अत्यधिक मायने रखती है। आज हम आपको यहां बता रहे हैं जेईई मेन्स परीक्षा को क्रैक करने और एडमिशन पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी टिप्स।

ऐसे करें एग्जाम की तैयारी

- अपनी सिली मिस्टेक्स पर काम करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपके ओवरऑल स्कोर में सुधार होगा।
- मॉक टेस्ट लेने और पिछले वर्ष के प्रश्नों को ऑनलाइन हल करने से आपको विभिन्न प्वाइंटस को एनलाइज करने में मदद मिलेगी।
- सब्जेक्ट वाइज फॉर्मूला शीटतैयार करें, ऐसा करके आप फॉर्मूले को रिवाइज करने करने के लिए हर समय अपने साथ रख सकते हैं।
- एक डेली टाइम टेबल तैयार करें और मुख्य रूप से रिवीजन और ऑनलाइन टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि ये टेस्ट आपके स्कोर को 40-50% तक सुधारने में मदद करते हैं।
- स्टडी के दौरान छोटे ब्रेक लें या संगीत सुनें क्योंकि यह कंसंट्रेशन पावर को बढ़ाता है।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परीक्षा नजदीक आने पर खुद को स्वस्थ और फिट रखें।

जेईई एडवांस्ड फिजिक्स को क्रैक करने के टिप्स

- **फॉर्मूले अच्छी तरह से सीखें :** जैसे ही आप फिजिक्स का रिवीजन करते हैं, सभी फॉर्मूले को नोट कर लें और उन्हें अच्छी तरह से याद रखें।
- **स्कोरिंग टॉपिक पर कंसंट्रेट करें :** एक बार आपके बेसिक चैपर को रिविजन करने के बाद, मॉर्डन फिजिक्स, वेव ऑप्टिक्स, अल्टरनेटिंग करंट, साउंड वेव्स जैसे स्कोरिंग टॉपिक्स पर ध्यान केंद्रित करें। थर्मोडायनामिक्स पर अतिरिक्त ध्यान दें क्योंकि यह फिजिक्स और केमेस्ट्री के लिए सामान्य है।
- **डेलिगेट प्रैक्टिस :** जेईई एडवांस पिछले वर्ष के क्वेश्चन पेपर को सॉल्व करना आवश्यक है। इन्हें सॉल्व समय फोकस्ड और कॉन्फिडेंट रहें।

जेईई एडवांस्ड केमिस्ट्री क्रैक करने के टिप्स

- **अपनी प्रिपरेशन को सिस्टमेटिक रूप से तैयार करें :** फिजिक्स और इनऑर्गेनिक केमेस्ट्री से फंडामेंटल कॉन्सेप्ट को रिवाइज करना शुरू करें। अपने समय का एक बड़ा हिस्सा ऑर्गेनिक केमेस्ट्री की तैयारी में दे। लास्ट 5 दिनों के लिए क्वालिटेटिव एनालिसिस छोड़ दें क्योंकि इसमें मुख्य रूप से याद रखने की आवश्यकता होती है।
- ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में शामिल मैकनिज्म पहली बार में जटिल लग सकता है। कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा गहराई में न जाएं क्योंकि अंतिम दिनों में समय की कमी होती है। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए छोटे नोट्स बनाने की जरूरत होती है।
- **रिएक्शन की प्रैक्टिस करें :** सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक्स, इक्वेशन, मैकनिज्म और रिलेटेड प्रॉब्लमस का रेगुलर प्रैक्टिस करें।
- **रेगुलर रिवीजन :** केमिस्ट्री कई छात्रों को कंफ्यूज करने वाली लगती है। बेहतर रिटेंशन के लिए केमिस्ट्री का रेगुलर रिवीजन जरूरी है।

जेईई एडवांस मैथ्स को क्रैक करने के टिप्स

- **कॉन्सेप्चुअल क्लियरिटी :** पहले सभी चैप्टर्स के बेसिक कॉन्सेप्ट को रिवाइज करें। मैथ्स फॉर्मूला से भरा है। उन्हें अच्छी तरह से करने के लिए, फार्मूला के विभिन्न एप्लीकेशन की प्रैक्टिस करें।
- **मॉक टेस्ट दें :** फुल लेंथ वाले जेईई एडवांस मॉक टेस्ट देने से आपकी स्पीड और एक्यूरेसी में सुधार करने में मदद मिलती है।
- **प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करें :** प्रत्येक चैप्टर को रिवाइज करने के बाद जेईई एडवांस लेवल के प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करना आवश्यक है।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें :** जब आप जेईई एडवांस मैथ्स की तैयारी कर रहे हों तो जेईई एडवांस्ड पिछले साल के टेस्ट से प्रैक्टिस करना जरूरी है।

निर्यातकों और व्यापारियों से संवाद के लिये इन्दौर आया इजिप्ट का दल

मध्यप्रदेश के गेहूं का होगा निर्यात

इन्दौर ।

मध्यप्रदेश देश के सबसे बड़े गेहूं उत्पादक प्रदेशों में अव्वल स्थान पर है। मध्यप्रदेश के गेहूं के निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार द्वारा यहां के गेहूं के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे है। इन्हीं प्रयासों के सिलसिले में आज यहां इजिप्ट के वरिष्ठ अधिकारियों का दल इन्दौर आया। यहां उन्होंने निर्यातकों और व्यापारियों तथा अधिकारियों से गेहूं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने गेहूं के भण्डारण, उसकी शुद्धता और गुणवत्ता के संबंध में भी विस्तार से जानकारी ली। इजिप्ट के दल ने चर्चा के दौरान कहा कि मध्यप्रदेश से गेहूं के निर्यात के संबंध में व्यापक स्तर पर विचार विमर्श जारी है। गंभीरता से पहल की जा रही है। चर्चा के दौरान बताया गया कि मध्यप्रदेश के व्यापारी और निर्यातक इजिप्ट जाकर निर्यात की पहल को अमलीजामा देंगे। पॉवर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दल के सदस्यों ने जानकारी प्राप्त की और संतुष्टि प्रकट की। मुख्यमंत्री चौहान की पहल पर इजिप्ट से आए प्रतिनिधि मण्डल में सुपरवाइजर ऑफ द पेस्ट रिस्क एनालिसिस यूनिट एट द सेंट्रल डिपार्टमेंट फॉर एग्रीकल्चर क्वारंटाइन इंजीनियर इस्लाम फरहत अब्देल अजीज अबो एल इला, इंस्पेक्टर ऑफ एग्रीकल्चर क्वारंटाइन एट द सेंट्रल डिपार्टमेंट फॉर एग्रीकल्चर क्वारंटाइन डॉ. सालेह अब्देल सतर बहिग अहमद तथा इंजीनियर अहमद रबिया अब्दुल्ला अब्देल कादर शामिल थे। इस अवसर पर इन्दौर कलेक्टर मनीष सिंह, वाना टेरिटरी के नोडल अधिकारी एवं एपीईडीए मंत्रालय ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री भारत सरकार डॉ. सी.बी. सिंह, मध्यप्रदेश मण्डी बोर्ड के एडिशनल एमडी डी.के. नागेंद्र तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मण्डी बोर्ड सी.एस. महेंद्र सिंह चौहान, नरेश परमार, संयुक्त निदेशक डॉ. संजय आर्य भी उपस्थित थे।

पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, सब्जी-फल के बाद महंगाई की मार टैक्सी-ऑटो किराये पर

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, सब्जी-फल, दाल, अनाज, मकान, गाड़ी सभी चीजों की महंगाई बढ़ने के बाद अब टैक्सी-ऑटो के किराया भी बढ़ने वाला है। दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी के बेतहाशा बढ़ती कीमतों के बाद अब ऑटो व टैक्सी चालकों ने करीब 50 फीसदी तक किराया बढ़ाने की बात कही है। पिछले पांच सप्ताह में सीएनजी की कीमतें आठ बार बढ़ाई जा चुकी हैं। साल 2022 में अब तक सीएनजी 14 रुपये प्रति किलोग्राम से भी ज्यादा महंगी हो चुकी है। इसके बाद ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए पुराने किराया पर सवारियां ढोना मुश्किल होता जा रहा है। दिल्ली में 69.11 रुपये प्रति किलोग्राम के रेट में सीएनजी मिल रही है, जबकि गुरुग्राम में यह 77.44 रुपये के भाव बिक रहा है। इतना ही नहीं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी के दाम बढ़कर 71.67 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गए हैं। इसके बाद में ऑटो चालकों ने भी अब सवारियों से ज्यादा किराया वसूलना शुरू भी कर दिया है। गुरुग्राम के ऑटो चालक ने बताया कि इफ्को चौक से उद्योग विहार तक 6 किलोमीटर के पहले 100 रुपये लगते थे। सीएनजी के दाम में बड़ी बढ़ोतरी के बाद अब किराया भी 50 फीसदी बढ़ाकर 150 रुपये कर दिया जाएगा। हालांकि, दिल्ली में ऑटो चालक बिना सरकार की मंजूरी के किराया नहीं बढ़ा सकते और उन्हें मीटर से ही सवारी ले जाना होता है। इसमें यहां अभी किराया बढ़ने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन जिन शहरों में बिना मीटर और सरकार की मंजूरी के किराया बढ़ाया जा सकता है, वहां जल्द झटका लगने वाला है। ऑटो चालकों ने एप या ऑनलाइन बुकिंग एक ऑटो चालक ने कहा कि एप के द्वारा 6 किलोमीटर की बुकिंग का 70-80 रुपये किराया दिखाता है।

पतंजलि आयुर्वेद के खाद्य कारोबार के विलय के तरीके का मूल्यांकन करेगी रुचि सोया

नई दिल्ली ।

बाबा रामदेव की अगुवाई वाली रुचि सोया इंडस्ट्रीज ने सोमवार को कहा कि वह पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खाद्य कारोबार को अपने साथ मिलाने के सबसे बेहतर तरीके का मूल्यांकन करेगी। साथ ही कंपनी का नाम बदलकर पतंजलि फूड्स लिमिटेड करने का फैसला भी किया गया है। रुचि सोया ने हाल में अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के जरिए 4,300 करोड़ रुपए जुटाए हैं। रुचि सोया ने शेयर बाजार को बताया कि निदेशक मंडल की रविवार को हुई बैठक में पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खाद्य कारोबार को अपने साथ मिलाने के सबसे बेहतर तरीके का मूल्यांकन करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। बोर्ड ने कंपनी के अधिकारियों को प्रस्तावित सौदे के नियमों और शर्तों पर बातचीत करने, उसे अंतिम रूप देने और अंजाम तक पहुंचाने के लिए अधिकृत किया। बोर्ड ने कंपनी का नाम बदलकर पतंजलि फूड्स लिमिटेड या कोई अन्य रखने का फैसला भी किया है। रामदेव ने पिछले महीने घोषणा की थी कि अगले कुछ महीनों में पतंजलि आयुर्वेद अपने सभी खाद्य कारोबार रुचि सोया को स्थानांतरित करेगी। पतंजलि आयुर्वेद गैर-खाद्य, पारंपरिक चिकित्सा और वेलनेस क्षेत्र में काम करेगी। पतंजलि समूह ने दिवाला प्रक्रिया के जरिये 2019 में रुचि सोया का 4,350 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया था।

टाटा रियल्टी की दो परियोजनाओं में 2,600 करोड़ रुपए निवेश करेगा सीपीपीआईबी

नई दिल्ली ।

कनाडा पेंशन योजना निवेश बोर्ड (सीपीपीआईबी) टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर की चेन्नई और गुरुग्राम स्थित दो वाणिज्यिक कार्यालय परियोजनाओं में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 2,600 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। संयुक्त उद्यम भविष्य में भूमि और तैयार संपत्ति खरीदने के लिए 2,000 करोड़ रुपए और निवेश करेगा। टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के एमडी और सीईओ संजय दत्त ने कहा कि कंपनी ने वाणिज्यिक अचल संपत्ति विकसित करने के लिए सीपीपीआईबी के साथ साझेदारी की है। दत्त ने कहा, ''हम अपने वाणिज्यिक रियल एस्टेट कारोबार को बढ़ाना चाहते हैं। हमने अगले 5-7 वर्षों में 4.5 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र के विकास का लक्ष्य तय किया है।

कंपनी ने पहले ही 75 लाख वर्ग फुट का वाणिज्यिक पोर्टफोलियो पूरा कर लिया है, जबकि 1.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र डिजाइन और विकास के विभिन्न चरणों में है। दत्त ने कहा, ''हम नई जमीन खरीदने के लिए कम से कम 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करना चाहते हैं। इसके लिए हमने कनाडा पेंशन योजना निवेश बोर्ड के साथ साझेदारी की है। संपत्ति सलाहकार एनरॉक ने सौदे में मदद की। साझेदारी के तहत सीपीपीआईबी दो परियोजनाओं में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा।

संक्षिप्त समाचार

जल्द ही नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ऑल्टो होगी लॉन्च

नई दिल्ली । चालू महीने में मारुति सुजुकी अपनी सस्ती 7 सीटर एमपीवी अर्टिगा को अपडेट कर पेश करने वाली है। लेकिन इन सबसे इतर एक और खुशखबरी यह है कि जल्द ही नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ऑल्टो भी लॉन्च होने जा रही है, जिसकी हाल ही में फिर से झलक दिखी है। अब आप जानना चाह रहे होंगे कि नई मारुति ऑल्टो देखने में कैसी है और इसमें क्या-क्या खास फीचर्स देखने को मिलेंगे, तो आगे सारी डिटेल देखें। नई मारुति ऑल्टो के बारे में सबसे खास बात यह है कि यह हैचबैक इस बार अब तक के अपने सभी अवतारों से अलग होगी। यानी इसमें ज्यादा स्पेस होगा, जिसका मतलब है कि यह साइज में ज्यादा बड़ी और ऊंची होगी। इसे हियरटेक्ट प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा, जिसपर कंपनी की एस-प्रेसो, सिलेरियो और वैगनआर जैसी हैचबैक कारें तैयार हुई हैं। मारुति अपनी नई ऑल्टो को मजबूती के साथ ही सेफ्टी के मामले में भी बेहतर करने की कोशिश में है, क्योंकि लोग आजकल सेफ्टी फीचर्स पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। नई मारुति ऑल्टो के लुक और डिजाइन की बात करें तो 2022 ऑल्टो बिल्कुल फ्रेश डिजाइन के साथ ही स्टाइलिश अवतार में आएगी। इसमें लंबी ग्रिल, नया बंपर और ज्यादा बड़े टेलगेट के साथ ही नए हेडलाइट और टेललाइट्स देखने को मिलेंगे। वहीं, इंटीरियर और फीचर्स की बात करें तो नई मारुति ऑल्टो में मौजूदा मॉडल के मुकाबले नया डैशबोर्ड और सेंट्रल कंसोल के साथ ही अपडेटेड टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, कीलेस एंट्री, इंजन स्टार्ट-स्टॉप बटन और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी समेत कई स्टैंडर्ड फीचर्स देखने को मिलेंगे। नई ऑल्टो के सेफ्टी फीचर्स भी अपडेट किए जाएंगे और आने वाले समय में इसकी झलक भी दिख जाएगी। बता दें कि भारत में इस साल मारुति सुजुकी कई कारों के नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल लाने वाली है, जिनमें बेहतर लुक के साथ ही लेटेस्ट फीचर्स देखने को मिलेंगे। बीते दिनों आपने नई सिलेरियो, नई बलेनो, अपडेटेड वैगनआर और नई डिजायर सीएनजी जैसी कारें देखीं।

टाटा मोटर्स समूह की वैश्विक थोक बिक्री मार्च तिमाही में 3,34,884 इकाई रही

मुंबई । टाटा मोटर्स समूह ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की मार्च तिमाही में उसकी वैश्विक थोक बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 3,34,884 इकाई हो गई। इसमें जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की बिक्री के आंकड़े भी शामिल हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि टाटा मोटर्स के सभी वाणिज्यिक वाहनों और टाटा देवू रेंज की वैश्विक थोक बिक्री वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 1,22,147 इकाई थी, जो सालाना आधार पर 12 प्रतिशत अधिक है। टाटा मोटर्स ने कहा कि सभी यात्री वाहनों की वैश्विक थोक बिक्री इस दौरान सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 212,737 इकाई रह गई। समीक्षाधीन अवधि में जगुआर लैंड रोवर की वैश्विक थोक बिक्री 89,148 इकाई थी, जिसमें सीजेएलआर द्वारा वितरित 12,622 इकाइयां शामिल हैं।

बीबा फैशन ने सेबी के पास आईपीओ के लिए आवदेन किया

नई दिल्ली । वारबर्ग पिंकस और फेयरिंग कैपिटल द्वारा समर्थित बीबा फैशन ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास आवेदन किया है। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 90 करोड़ रुपए के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवर्तक और मौजूदा निवेशक 2.77 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे। जबकि प्रवर्तक और मौजूदा ओएफएस के तहत प्रवर्तक मीना बिंद्रा 37.52 लाख इक्विटी शेयरों और निजी इक्विटी निवेशक वारबर्ग पिंकस समर्थित हाईडेल इंवेस्टमेंट और फेयरिंग कैपिटल इंडिया इवॉल्विंग फंड क्रमशः 1.84 करोड़ शेयरों और 55.86 लाख शेयरों की पेशकश करेंगे। ताजा निर्गम से मिली राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा।

सोना 59 रुपये की तेजी के साथ 51,787 रुपये प्रति 10 ग्राम

मुंबई । मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की, इससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोने का वायदा भाव 59 रुपये की तेजी के साथ 52,130 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने का जून डिलीवरी वाले अनुबंध का भाव 59 रुपये या 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,130 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 18,196 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,949.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

देव आईटी ने अदानी इंस्टीट्यूट और ओरेना सॉल्यूशंस के साथ कोलैबोरेशन किया

अहमदाबाद।

देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने अडानी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट और ओरेना सॉल्यूशंस के साथ मिलकर क्लाउड, एआई / एमएल, ब्लॉकचेन और ऑनगोइंग डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन टेक्नोलॉजीस में आईटी स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स को आगे बढ़ाने और उन्हें करियर के नए अवसर उपलब्ध करने के लिए काम शुरू किया है। इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी सोल्युशन्स देने वाली अग्रणी कंपनी डीईवी आईटी लिमिटेड आने वाले वर्षों में अपने कर्मचारियों की संख्या में 50त्न तक बढ़ोतरी करने की योजना बना रही है। इस विकास यात्रा में अपनी क्लाउड, एआई/एमएल, ब्लॉकचैन और मोबिलिटी के क्षेत्र में समाधान उपलब्ध करवाने की क्षमताओं को और बेहतर बनाने के लिए सही प्रतिभावान युवाओं का चयन करने हेतु डीईवी आईटी ने एआईडीटीएम और ओरेना सॉल्यूशंस के साथ एक एग्रीमेंट किया है। कम्पनी के सीईओ व एमडी जैमिन शाह ने बताया कि इस एग्रीमेंट के जरिए देव आईटी का उद्देश्य एआईडीटीएम और ओरेना सॉल्यूशंस की मदद से अपने पसंदीदा इंडस्ट्री डोमेन में अपना करियर बनाने के इच्छुक प्रतिभाओं को ऐसे जॉब-ओरिएंटेड कस्टमाइज़्ड डेडिकेटेड कोर्सेज प्रदान करना है जो उन्हें जरुरी प्रशिक्षण और कौशल (स्किल्स) प्रदान करेंगे। कंप्यूटर साइंस, आईटी, कम्युनिकेशन्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के साथ-साथ एमसीए में बैचलर्स (स्नातक) कर चुके उम्मीदवार इन कोर्सेज के लिए आवेदन करने के योग्य होंगे। एआईडीटीएम और ओरेना सॉल्यूशंस द्वारा विशेष रूप से बनाए गए एप्लिकेशन-ओरिएंटेड प्रोफिसिएंसी प्रोग्राम, विभिन्न डोमेन में इंडस्ट्री की नई जरूरतों के मुताबिक तैयार किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लि. टेक्नोलॉजी सोल्युशन प्रदान करने वाली एक अग्रणी कंपनी है जो 1997 से क्लाउड, ऑटोमेशन और डेटा का लाभ उठाते हुए डिजिटल सोल्युशन उपलब्ध करवाती है। यह एनएसई और बीएसई में सूचीबद्ध एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है। डीईवी आईटी विभिन्न आईटी जरूरतों के लिए वन-स्टॉप डिजिटल सोल्युशन देने वाली कंपनी है और अपने ग्राहकों को अपने आईटी को एक स्ट्रेटेजिक एसेट में बदलने में मदद करती है। अदानी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट (एआईडीटीएम) में, हम इनोवेटिव आइडियाज और इंडस्ट्री में फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजिकल के कारण पड़ने वाले प्रभाव के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता पर काम करती है। ओरेना सॉल्यूशंस स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स को विशेष पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करने के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है।

स्वच्छ ऊर्जा कारोबार का वित्तपोषण आंतरिक स्रोत से करने में सक्षम है रिलायंस

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने मजबूत पुराने ऊर्जा कारोबार से होने वाले नकदी प्रवाह का इस्तेमाल कंपनी के नए स्वच्छ ऊर्जा कारोबार में होने वाले पूंजी व्यय का वित्तपोषण करने के लिए आसानी से कर सकती है। इससे कंपनी 2035 तक शुद्ध रूप से कार्बन उत्सर्जन को शून्य पर लाने के साथ बड़ी ऊर्जा कंपनियों में सर्वाधिक लाभ कमाने वाली इकाई होगी। एक प्रमुख वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी के एक अध्ययन में यह बात कही गई है। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने 2020 में रिलायंस इंडस्ट्रीज को 2035 तक शुद्ध रूप से शून्य उत्सर्जन वाली कंपनी बनाने का लक्ष्य रखा था। कंपनी गुजरात के जामनगर में दुनिया की सबसे बड़े तेल रिफाइनरी परिसर का संचालन करती है। कंपनी नए स्वच्छ ऊर्जा कारोबार में जमीन तैयार करने को लेकर पहले ही 1.5 अरब डॉलर खर्च कर चुकी है। इसमें सौर ऊर्जा, बैटरी और हाइड्रोजन उत्पाद शामिल हैं। इस कारोबार से होने वाली कार्बन की बचत तेल एवं रसायन कारोबार से होने वाले उत्सर्जन की भरपाई करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिलायंस शुद्ध रूप से शून्य उत्सर्जन के लिए विनिर्माण की तरफ रुख कर रही है। विनिर्माण में सौर से लेकर बैटरी और हाइड्रोजन शामिल हैं। इसमें कहा गया है हमारे विचार से आरआईएल का ऊर्जा कारोबार काफी मजबूत और बेहतरीन है। अपने समकक्षों के मुकाबले कंपनी का लागत ढांचा निचले स्तर पर है जिससे कारोबार टिकाऊ और मार्जिन अपेक्षाकृत अधिक है। गोल्डमैन सैक्श के अनुसार रिफाइनिंग के साथ-साथ, हमारा अनुमान है कि तेल और गैस खोज तथा उत्पादन ऊर्जा खंड में वृद्धि को अगले चरण में ले जाएगा। हमारा अनुमान है कि घरेलू गैस उत्पादन में वृद्धि और कीमतों के दोगुना से अधिक बढ़ने से 2023-24 में खोज और उत्पादन श्रेणी से कर पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए) दो से 216 अरब डॉलर रहेगा। जो 2020-21 में 315 करोड़ डॉलर था। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि पेट्रो रसायन कारोबार में मौजूदा तिमाही में मार्जिन पर दबाव रहने की आशंका है। गोल्डमैन सैक्श ने कहा हमारा मानना है कि आरआईएल का नये ऊर्जा कारोबार में निवेश का वित्तपोषण पुराने ऊर्जा कारोबार (तेल-रसायन) से होने वाले नकदी प्रवाह से हो सकता है। इससे कंपनी बड़ी ऊर्जा कंपनियों में 2035 तक शुद्ध रूप से कार्बन उत्सर्जन को शून्य पर लाने के साथ सर्वाधिक लाभ कमाने वाली इकाई होगी।

शेल गुजरात में अपना पहला फिलिंग स्टेशन शुरू करेगी

नई दिल्ली । वैश्विक ऊर्जा कंपनी शेल गुजरात में अपना पहला फिलिंग स्टेशन शुरू होने के साथ ही ट्रक जैसे लंबी दूरी के परिवहन साधनों के लिए एलएनजी की खुदरा बिक्री के क्षेत्र में कदम रखेगी। शेल एनर्जी इंडिया के भारतीय कारोबार प्रमुख नकुल रहेजा ने इसकी जानकारी देकर कहा कि शेल ने भारतीय गैस बाजार में बडा दांव लगाने का फैसला किया है। रहेजा ने कहा, हम भारत में अपने खुद का एलएनजी स्टेशन शुरू करने की तैयारी में हैं। इसके लिए हम विस्तार की योजनाएं बनाई हैं, अगर सब कुछ योजना के मुताबिक चला तब इस कैलेंडर साल में ही हमारा पहला एलएनजी खुदरा स्टेशन गुजरात में शुरू होगा। उन्होंने कहा कि पहला एलएनजी स्टेशन विशिष्ट आउटलेट ही होगा, लेकिन भविष्य में पेट्रोल पंप के साथ ही एलएनजी बिक्री भी करने की योजना है। अगले साल इन स्टेशनों की संख्या बढ़ाने की दिशा में काम होगा। शेल गुजरात के हजीरा में 50 लाख टन वार्षिक क्षमता वाले तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात केंद्र का संचालन करती है, उसके कुछ पेट्रोल पंप भी हैं। अब वह ट्रकों एवं बसों के लिए एलएनजी की खुदरा बिक्री कर अपना कारोबार बढ़ाने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि शुरुआत गुजरात में एलएनजी स्टेशन का नेटवर्क खड़ा करने से होगी और अगले एक-डेढ़ साल में तीन-चार जगहों पर विस्तार करने की योजना है। दरअसल, शेल लंबी दूरी के परिवहन के लिए एलएनजी का इस्तेमाल बढ़ाने की सरकार की पहल का कारोबारी लाभ उठाना चाहती है। सरकार ने अगले तीन साल में गुजरात, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और राजस्थान के भीतर 50 एलएनजी स्टेशन खोलने का लक्ष्य रखा है। इस आगे बढ़ाकर 1,000 तक किया जा सकता है।

रईसों की लिस्ट में गौतम अडानी की लंबी छलांग, एक दिन में कमाए 65 हजार करोड़

बिजनेस डेस्क ।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ रॉकेट की स्पीड से बढ़ रही है। सोमवार को उनकी सभी लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। इसकी बदौलत अडानी की नेटवर्थ में 8.57 अरब डॉलर यानी करीब 65,091 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी 118 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में छठे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने एक झटके में अमेरिकी कम्प्यूटर साइंटिस्ट और इंटरनेट उद्यमी लैरी पेज और गूगल के को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन को पीछे छोड़ दिया। अडानी की नेटवर्थ में इस साल 41.6 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है जो दूसरे टॉप रईसों के मुकाबले सबसे अधिक है। इस साल दुनिया के टॉप 10 रईसों में अडानी के अलावा केवल दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे की नेटवर्थ में ही इजाफा हुआ है। बाकी रईसों की नेटवर्थ में गिरावट आई है। सोमवार को शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के शेयरों में 16 फीसदी तक उछाल आई। अडानी ग्रीन एनर्जी का शेयर 16.25 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ और यह मार्केट कैप के हिसाब से देश की दसवीं सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। अडानी टोटल गैस के शेयरों में 10 फीसदी, अडानी पोर्ट में 1.83 फीसदी, अडानी पावर के शेयरों में 4.78 फीसदी, अडानी विल्मर में 4.99 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज में 0.37 फीसदी और अडानी ट्रांसमिशन में 8.40 फीसदी की तेजी आई। यूएई की इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (ढ्ढ॥ष्ट) ने ग्रुप की तीन कंपनियों में प्रीफेरेंशियल इश्यू के जरिए दो अरब डॉलर निवेश करने पर सहमति जताई है। इससे ग्रुप के शेयरों में तेजी आई। इस बीच देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर बने हुए हैं। सोमवार को रिलायंस के शेयरों में गिरावट से उनकी नेटवर्थ में 4.82 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वह 97.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 11वें नंबर पर पहुंच गए।

इस साल उनकी नेटवर्थ में 7.45 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। अडानी और अंबानी की नेटवर्थ में अब 20.4 अरब डॉलर का अंतर हो चुका है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 249 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 11.5 अरब डॉलर की गिरावट आई।

स्टॉर्म मोटर्स नाम के स्टार्टअप ने लांच की स्टॉर्म आर3

नई दिल्ली । मुंबई के एक इलेक्ट्रिक वाहन स्टार्टअप ने दावा किया है कि उन्होंने दुनिया की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार बनाई है और इतना ही नहीं इसके लिए कंपनी ने बुकिंग्स लेनी भी शुरू कर दी हैं। स्टॉर्म मोटर्स नाम के इस स्टार्टअप ने स्टॉर्म आर3 लॉन्च की है जिसकी कीमत सिर्फ 4.5 लाख रुपये है। अगर आप भी यह कार बुक करना चाहते हैं तो सिर्फ 10,000 रुपये टोकन राशि के साथ स्टॉर्म बुक कर सकते हैं। कंपनी ने इस कार को तीन वेरिएंट्स में मार्केट में उतारा है। यह इलेक्ट्रिक कार बड़े साइज की सनरूफ के साथ आती है और इसे सिंगल चार्ज पर इसे 50 किमी तक चलाया जा सकता है। पहले पड़ाव में ये इलेक्ट्रिक कार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है और कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक फिलहाल मुंबई, थाणे, नवी मुंबई, नई दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा के ग्राहक इस ईवी को खरीद सकते हैं। बात करें इसके लुक की तो दिखने में ये इलेक्ट्रिक कार काफी अनोखी और अट्रैक्टिव लुक के साथ आती है। मालूम हो कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बीते कुछ सालों में काफी इजाफा किया गया है और इसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ता है। मार्केट के इसी सेंटिमेंट को देखते हुए कार निर्माता कंपनियों ने कई सीएनजी कारें भी मार्केट लगातार उतार रही हैं। सीएनजी कारों के अलावा एक और विकल्प है जो डीजल और पेट्रोल वाली कारों को रिप्लेस कर सकता है और वो विकल्प है इलेक्ट्रिक कारें। लोगों का रुझान भी इलेक्ट्रिक कारों की ओर लगातार बढ़ रहा है इसलिए लगातार नए मॉडल्स की एंट्री बाजार में हो रही है। लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन आम इंजन वाली कारों की तुलना में महंगी होती हैं और इसीलिए ग्राहक इन्हें लेने में कतराते है।

मुरलीधरन ने राशिद को रिटेन नहीं करने का कारण बताया

मुंबई । सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन ने अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान को रिटेन (बरकरार) नहीं रखे जाने के कारण बताये हैं। मुरलीधरन ने कहा कि राशिद को बनाये रखने के लिए अधिक रकम की जरुरत थी। राशिद के नहीं होने के कारण सनराइजर्स ने कप्तान केन विलियमसन के साथ दो युवा भारतीय खिलाड़ियों अब्दुल समद और उमरान मलिक को रिटेन किया था। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ जीत के बाद मुरलीधरन ने कहा, हम राशिद को जाने नहीं देना चाहते थे पर यह भी सच था कि हम उनका खर्च वहन नहीं कर सकते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ऐसा माना जाता है कि राशिद ने सनराइजर्स हैदराबाद से बतौर पहले खिलाड़ी के रूप में रिटेन करने की मांग रखी थी। हैदराबाद ने कप्तान केन विलियमसन को 14 करोड़ रुपये जबकि स्पिनर अब्दुल समद और उमरान मलिक को 4-4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। राशिद ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से साल 2017 में अपना आईपीएल पदार्पण किया था, जिसके बाद से लगातार वह पिछले सीजन तक सनराइजर्स हैदराबाद टीम के साथ ही जुड़े रहे। राशिद ने हैदराबाद के लिए 76 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उनके नाम 93 विकेट हैं। इस सत्र के पहले गुजरात टाइटन्स ने राशिद को 15 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था।

आईपीएल 2022 : हैदराबाद ने छोड़े 4 कैच, चिंता में दिखे निकोल्स पूरण : कही बात

खेल डैस्क ।

सनराइजर्स हैदराबाद ने आखिरकार सीजन में सबसे मजबूत टीम नजर आ रही गुजरात टाइटंस को कप्तान केन विलियमसन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत हरा दिया। हैदराबाद ने पहले गेंदबाजी चुनी थी। इस दौरान उनके फील्डरों ने चार कैच छोड़े। अगर यह कैच पहले पकड़ लिए जाते तो गुजरात की टीम पहले खेलते हुए 162 रन तक भी नहीं पहुंच पाती। मैच जीतने के बाद निकोल्स पूरण ने छोड़े कैचों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह कुछ ऐसी चीज है जिसपर हमें जल्द से जल्द काम करना होगा। उस विकेट पर 160 रन शानदार थे और हमारे सभी गेंदबाजों ने अपनी भूमिका निभाई। लेकिन फील्डिंग पक्ष से अच्छा होता तो हम उन्हें पहले ही रोकने में सफल हो जाते। पूरण ने मैच के दौरान अपनी पिछली विफलताओं को पीछे छोड़ते हुए 18 गेंदों में 32 रन बनाए। उन्होंने मैच खत्म होने के बाद कहा कि आज मैदान पर ओस बिल्कुल भी नहीं थी। हम एक बल्लेबाजी समूह के रूप में जानते थे कि हमें अतीत में अपनी गलतियों से सीखना है। हमें पता था कि हमें साझेदारी बनानी है। यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था क्योंकि विकेट दो गति वाला था। हम वहीं अटके रहे, हमारी महत्वपूर्ण साझेदारियां थीं। पूरण ने इस दौरान टीम की तैयारियों पर कहा कि यहां कड़ी मेहनत हो रही है। मैं खुद हर दिन सुधार करने की कोशिश करता हूं। सौभाग्य से हमारे यहां कुछ अद्भुत कोच हैं जो बैठे हैं और हमारे साथ कुछ अद्भुत बातचीत कर रहे हैं। ब्रायन यहां हैं, आप उनके साथ बल्लेबाजी की बेहतर बातचीत नहीं कर सकते, बहुत सारे युवाओं की काफी मदद कर रहे हैं। आप बल्लेबाजी इकाई के रूप में भी प्रगति देख सकते हैं। वह न केवल खुद को बल्कि टीम में बहुत सारे युवाओं की काफी मदद कर रहे हैं। आप बल्लेबाजी इकाई के रूप में भी प्रगति देख सकते हैं। पूरण ने कहा कि हमारे लिए पहला ओवर कुछ चिंता जरूर लेकर आया था लेकिन इस बाद सब सही हो गया। लगातार अच्छी गेंदबाजी के कारण हम उन्हें रोकने में सफल हो गए। अब नजर आगामी मैचों पर है।

न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने की संन्यास की घोषणा, 9 बार ले चुके हैं इनिंग में 5 विकेट

स्पोर्ट्स डेस्क ।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज हामिश बेनेट ने खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। दाहिने हाथ का तेज गेंदबाज 2021/22 सीजन के बाद संन्यास लेगा और उसने इसकी जानकारी दी। अक्टूबर 2010 में पेशेवर क्रिकेटर के रूप में शुरुआत करने वाले बेनेट उच्चतम स्तर पर एक महत्वपूर्ण छाप नहीं छोड़ सके। हालांकि, वह घरेलू सर्किट में एक जबरदस्त खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने अब तक पेशेवर क्रिकेट में 489 विकेट लिए हैं जिसमें 9 बार पांच विकेट लेना शामिल हैं। जहां तक उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का सवाल है तो 35 वर्षीय ने सभी प्रारूपों में 31 मैचों में 43 विकेट लिए। उन्होंने आखिरी बार पिछले साल सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था। संयोग से बेनेट ने 2010 में एक ओडीआई में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उस वर्ष के अंत में भारत के खिलाफ उनका एकमात्र टेस्ट उपस्थिति शिविर था।

उन्हें 2011 विश्व कप के लिए भी चुना गया था लेकिन उसके बाद पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण उन्हें दरकिनार कर दिया गया जिसके कारण उन्हें 2012 में सर्जरी करानी पड़ी। फिटनेस के मुद्दों ने बेनेट को अपने करियर में कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट और श्रृंखलाओं को मिस करने के लिए मजबूर किया। बेनेट इसे उच्चतम स्तर पर बड़ा नहीं बना सके, उन्होंने निश्चित रूप से घरेलू सर्किट में अपना नाम बनाया। बेनेट ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा कि, जब मैंने तिमारू में नेट्स में गेंदबाजी करते हुए एक युवा बच्चे के रूप में शुरुआत की, तो मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं अपने करियर का आनंद उठाऊंगा। ओल्ड बॉयज तिमारू क्रिकेट क्लब ने मुझे शुरुआत में क्रिकेट में शामिल किया, टिमरू बॉयज हाई स्कूल, साउथ कैंटरबरी क्रिकेट, कैंटरबरी क्रिकेट, क्रिकेट वेलिंगटन और न्यूजीलैंड क्रिकेट, साथ ही साथ अन्य सभी महान क्लब जिनके लिए मैंने वर्षों से खेला उन सभी ने मुझे मेरे क्रिकेट सपने को हासिल करने में मदद करने में भूमिका निभाई है।

पंड्या ने कहा , सनराइजर्स के गेंदबाजों के कारण हारे

मुंबई । गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने आईपीएल लीग मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों आठ विकेट की करारी हार पर निराश व्यक्त करते हुए विरोध टीम के गेंदबाजों के कारण मैच हमारे हाथ से निकल गया। हार्दिक की नाबाद अर्धशतकीय पारी की सहायता से गुजरात की टीम ने 20 ओवर में सात विकेट पर 162 रन बनाये। वहीं इसके बाद सनराइजर्स ने कप्तान केन विलियमसन की 57 रन की पारी की बदौलत करीब पांच गेंद पहले ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया। हार्दिक ने कहा, '' बल्लेबाजी के दौरान हमने सात से 10 रन कम बनाये थे जिसका हमे नुकसान हुआ। वहीं गेंदबाजी में भी दो खराब ओवरों के कारण हमें नुकसान हुआ।'' हार्दिक ने कहा, ''मुझे लगता है कि हैदराबाद के गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की थी। पिच पर असामान्य उछाल थी। इसके अलावा उनके गेंदबाज भी अलग-अलग लंबाई के है, जिससे भी हैदराबाद की टीम को लाभ हुआ। जिस तरह से उन्होंने गेंदबाजी की उसका श्रेय उन्हें दिया जाना चाहिये।'' वहीं दूसरी ओर हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन ने भी टीम के प्रदर्शन में आये सुधार पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, '' हमने अच्छी गेंदबाजी की। इसके अलावा बल्लेबाजी में भी टीम ने सुधार किया है।''लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने साझेदारियों पर जोर दिया जिससे भी टीम को लाभ हुआ।

आईपीएल फ्रेचाइजी ने लगाई बहुत कम कीमत, फिर भी बड़े-बड़ों पर भारी पड़े पांच देशी छोरे

नई दिल्ली ।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि इंडियन प्रीमियर लीग ने दुनिया को कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। यह फेहरिस्त काफी लंबी है। आईपीएल के इस सीजन को शुरू हुए दो हफ्ते हो चुके हैं। इस दौरान कई ऐसे खिलाड़ी सामने आए हैं, जो पहली बार ही आईपीएल में खेलने उतरे हैं। लेकिन कुछ मुकाबलों में ही इन खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत पहचान बना ली है। इसमें से कुछ भारतीय क्रिकेट के भविष्य के सितारे हो सकते हैं। इनमें से ज्यादातर खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी ने कम कीमत में अपने साथ जोड़ा, लेकिन प्रदर्शन के पैमाने पर यह दिग्गज खिलाड़ियों पर भारी पड़ रहे हैं। इस लिस्ट में आयुष बदोनी, तिलक वर्मा, आकाशदीप, मुकेश चौधरी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। जिन्हें इस आईपीएल से पहले शायद ही कोई जानता था। शुरुआती मुकाबलों में ही अपने दमदार प्रदर्शन के बूते इन खिलाड़ियों ने सुर्खियां बटोरी हैं। आयुष बदोनी को आईपीएल 2022 की खोज माना जा रहा है। दिल्ली की तरफ से घेरलू क्रिकेट खेलने वाले आयुष आईपीएल 2022 में नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेल रहे हैं। उन्होंने टीम के सभी 4 मैच खेले हैं। इसमें इस बल्लेबाज ने 156 के स्ट्राइक रेट से 102 रन बनाए। इस दौरान एक अर्धशतक भी लगाया है। बदोनी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आखिरी ओवर में छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। बदोनी अब तक 4 पारियों में 2 बार नाबाद रहे हैं और दोनों ही बार टीम के लिए विजयी रन उनके बल्ले से ही निकला है। इससे पहले उन्होंने सीएसके के खिलाफ भी विजयी रन बनाया था। इससे पहले दिल्ली के रहने वाले आयुष बदोनी ने आईपीएल के अपने डेब्यू मैच में ही गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार अर्धशतक जड़ा था। वे जब बल्लेबाजी करने उतरे थे, तब टीम ने 29 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद उन्होंने 41 गेंद पर 54 रन की शानदार पारी खेली थी। हालांकि, लखनऊ यह मैच हार गई थी। लेकिन उनकी इस पारी ने सबका दिल जीत लिया था। आयुष को लखनऊ ने सिर्फ 20 लाख रुपए में खरीदा था। टीम के मेंटर गौतम गंभीर को इस खिलाड़ी पर काफी विश्वास है। इसी वजह से उन्होंने हर मैच में इस बल्लेबाज को मौका दिया और आयुष हर बार खरे उतरे। मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2022 का आगाज भले ही अच्छा ना रहा हो और 5 बार की चैम्पियन टीम लगातार 3 मुकाबले हार गई हो। लेकिन टीम के युवा बल्लेबाज और पहला आईपीएल खेल रहे बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अपने खेल से सबको प्रभावित किया है। तिलक को सूर्यकुमार यादव की गैरमौजूदगी में तिलक ने इन 3 मैच में 161 के स्ट्राइक रेट से 121 रन बनाए। एक फिफ्टी भी लगाई। तिलक घरेलू क्रिकेट हैदराबाद की तरफ से खेलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एएफसी एशियाई चैंपियंस लीग में जीत हासिल करने वाली पहली भारतीय टीम बनी मुंबई सिटी

रियाद । मुंबई सिटी एफसी एफसी एशियाई चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में जीत हासिल करने वाली पहली भारतीय टीम बनी है। इस टूर्नामेंट में मुंबई ने इराक की दिग्गज टीम एयर फोर्स क्लब को 2-1 से हराया। ग्रुप बी के इस मुकाबले के 59वें मिनट में मुंबई की टीम शुरुआत में एक गोल से पिछड़ गई थी पर 70वें मिनट में पेनल्टी पर डिएगो मॉरिसियो के किये गोल से मुंबई ने बराबरी हासिल कर ली। पेनल्टी बॉक्स में मॉरिसियो को गिराने के बाद टीम को यह पेनल्टी मिली थी। डिफेंडर राहुल भेके ने इसके बाद कॉर्नर किक पर 75वें मिनट में हैडर से गोल कर सिटी एफसी को 2-1 से बढ़त दिला दी। यह बढ़त अंत तक कायम रही। गौरतलब है कि मुंबई सिटी ने साल 2020-21 में इंडियन सुपर लीग शील्ड और ट्रॉफी जीती थी। इस मैच के पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी हम्मादी अहमद ने एक गोल कर एएफसी कप चैंपियन एयर फोर्स क्लब को 1-0 की बढ़त दिला दी।

ब्रिटिश कमेंटेटर से बोले गावस्कर , हम कोहिनूर हीरे का इंतजार कर रहे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर आजकल आईपीएल मैचों में कमेंट्री कर रहे हैं। गावस्कर अपने अलग अंदाज में कमेंट्री करते हैं। आईपीएल में एक मुकाबले के दौरान गावस्कर ने इंग्लैंड के कमेंटेटर एलन विलिंक्स से कहा कि वह अपनी सरकार से कहें की 'कोहिनूर' हीरा वापस भारत को दिया जाये। राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मैच में मिले ब्रेक के दौरान गावस्कर ने विल्किंस से यह बात कही। उस समय विल्किंस ने गावस्कर से समुद्र किनारे मरीन ड्राइव की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन करने का अनुरोध किया था। तब मरीन ड्राइव की तुलना इंग्लैंड की महारानी के हार से करते हुए गावस्कर ने विल्किंस से कहा, हम अभी भी कोहिनूर हीरे की वापसी का इंतजार कर रहे हैं ।

सुंदर अगले दो सप्ताह नहीं खेल पायेंगे : मूडी

मुंबई । सनराइजर्स हैदराबाद टीम के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोटिल होने के कारण करीब दो सप्ताह के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर रहेंगे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में सुंदर को केवल तीन ओवरों के बाद ही मैदान से बाहर होना पड़ा था। इस कारण उनकी जगह एडेन मार्करम ने ओवर पूरा किया था। टीम के मुख्य कोच टॉम मूडी ने कहा कि सुंदर कम से कम 1-2 सप्ताह के लिए टीम से बाहर रह सकते हैं। सुंदर के दाहिने हाथ में चोट लगी है। सुंदर पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर परेशान रहे हैं। फिट नहीं होने के कारण ही वह इंग्लैंड दौरे में खेले जाने वाली पांच टेस्ट मैच की सीरीज से बाहर हुए थे।

चहल के आरोपों पर मुख्य कोच से बात करेंगे : डरहम

लंदन ।

काउंटी टीम डरहम की ओर से कहा गया है कि मुख्य कोच जेम्स फ्रैंकलिन पर लगे शारीरिक उत्पीड़न के आरोपों को देखते हुए उनसे बात की जाएगी। इससे पहले भारतीय स्पिनर यजुवेन्द्र चहल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के एक पॉडकास्ट में साल 2011 की एक घटना को याद करते हुए कहा था कि तब मुंबई इंडियन्स में उनके साथी खिलाड़ी रहे फ्रैंकलिन और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एंड्रयू साइमंड्स ने चैंपियन्स लीग फाइनल में जीत का जश्न मनाने के दौरान उन्हें बांध दिया था। डरहम ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''हमें साल 2011 की एक घटना से जुड़ी रिपोर्टों के बारे में पता चला है। इसमें हमारे कोचिंग स्टाफ के एक सदस्य का नाम आया है।'' साथ ही कहा, ''हमारे कर्मचारी से जुड़े किसी भी मसले पर क्लब तथ्यों का पता करने के लिये निजी तौर पर बात किये जाने के पक्ष में है।'' चहल ने अपने आरोप में कहा था कि फ्रैंकलिन ओर साइमंड्स ने उनका मुंह टेप से बंद कर दिया था और उन्हें रात भर के लिये कमरे में अकेला छोड़ दिया था। गौरतलब है कि फ्रैंकलिन साल 2011 से 2013 तक मुंबई इंडियन्स की टीम में थे। इसके बाद साल 2019 में वह डरहम के कोच बने थे। वहीं चहल ने कहा था, ''यह 2011 की घटना है जब मुंबई इंडियन्स ने चैंपियन्स लीग जीती थी। हम चेन्नई में थे। उसने (साइमंड्स) बहुत अधिक 'फलों का जूस' पी लिया था।'' उन्होंने कहा था, ''मुझे नहीं पता कि वे क्या सोच रहे थे पर उसने और फ्रैंकलिन ने मिलकर मेरे हाथ पांव बांध दिये थे और कहा कि अब तुम खोलकर दिखाओ। वे दोनो इतने ज्यादा नशे में थे कि उन्होंने मेरे मुंह पर टेप चिपका दी और पार्टी के दौरान पूरी तरह से मेरे बारे में भूल गये।'' चहल के अनुसार इस घटना पर इन दोनो ने एक बार भी उनसे माफी नहीं मांगी।

सीएसके की पारी की शुरुवात करे धोनी तब बदल सकती हैं टीम की किस्मत

मुंबई । आईपीएल के इतिहास में चेन्नई सुपरकिंग्स की हालत कभी इतनी बुरी नहीं हुई, जितनी मौजूदा सीजन में देखने को मिल रही। चार बार की चैंपियन सीएसके लगातार शुरुआती चार मैच हार चुकी है। टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। न बल्लेबाज डिफेंडिंग चैंपियंस की तरह खेल रहे और न गेंदबाजी में वह धार नजर आ रही। इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स निश्चित ही कुछ नए प्रयोग करना चाहिए। पार्थिव पटेल के पास भी एक आइडिया है। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव के अनुसार महेंद्र सिंह धोनी को ओपनिंग करना चाहिए। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने 37 वर्षीय दिग्गज ने कहा, चेन्नई के पूर्व कप्तान धोनी को पारी की शुरुआत करने आना चाहिए। अगर वह 14-15 ओवर तक क्रीज पर टिकते हैं,तब आपको स्कोरबोर्ड में फर्क साफ नजर आ जाएगा। वह इसतरह के खिलाड़ी हैं, जो सालों से सीएसके को जिंदा रखे हुए हैं। धोनी ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत बतौर ओपनर की थी, क्यों न इस भूमिका को अपने करियर के अंतिम पड़ाव में लिया जाए? वह अभी सातवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं और मुश्किल से 10-15 गेंद खेलते हैं। तब क्यों न धोनी नंबर 3 पर या शायद 4 या ओपनिंग करें। माही ने चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए सबसे ज्यादा तीसरे नंबर पर बैटिंग की है, इस पोजिशन पर उन्होंने सात पारियों में एक अर्धशतक के साथ 188 रन बनाए हैं हालांकि वह आखिरी बार 2011 में इस नंबर पर दिखे थे। यह बात भी उतनी ही सच है कि धोनी ने टी-20 क्रिकेट में कभी ओपनिंग नहीं की। न टीम इंडिया के लिए और न किसी फ्रैंचाइजी लीग के लिए। आखिरी बार 17 साल पहले माही ने यह जिम्मेदारी संभाली थी। तब अपने शुरुआती दिनों यानी 2005 में श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने वनडे में पारी का आगाज किया था। उस मैच में वह सात गेंद में सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन अगले साल 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ मिली जिम्मेदारी को उन्होंने बखूबी निभाया। 106 गेंदों में 96 रन बनाते हुए शतक से चूके थे।

ओलंपियन निशानेबाज की मां अज्ञात हमलावर का शिकार बनीं

वाटरबरी । टोक्यो ओलंपिक में पुएर्तो रिको की टीम की सदस्य रहीं यारिमार मरकाडो मार्टिनेज की मां एक अज्ञात हमलावर की गोली का शिकार हुई हैं। मार्टिनेज की मां को यह गोली जब लगी तब वह कनेक्टिकट में अपने घर पर थीं। पुलिस के अनुसार पिछले साल टोक्यो ओलंपिक और साल 2016 में रियो ओलंपिक में पुएर्तो रिको की ओलंपिक टीम का हिस्सा रहीं राइफल निशानेबाज मार्टिनेज की मां मेबल मार्टिनेज 56 साल की थी। पुलिस के अनुसार मेबल की रविवार को ही मौत हो गई थी। शनिवार दोपहर उन्हें यहां अपने घर के अंदर सिर में गोली लगी थी। अधिकारियों ने कहा कि घर के बाहर जा जा रहा एक व्यक्ति इस गोली के निशाने पर था। इस मामले में अभी तक हमलावर पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। मार्टिनेज ने इस घटना पर दुखी होकर लिखा, ''मां, मेरी मां। मुझे अब भी आपसे इतनी सारी चीजें सीखनी थी। आपके साथ जो हुआ आप उसकी हकदार नहीं थी। मां आपके साथ सही नहीं हुआ, आप इतनी जल्दी हमें छोड़कर चली गईं। मैं इतनी दूर थी और कुछ नहीं कर पाई। मैं आपको अलविदा भी नहीं कह पाई। मैं आपसे इतना अधिक प्यार करती हूं और आप मेरे जीवन में इतनी अहम इंसान थीं।'' आप अपने घर में बैठकर सिलाई कर रही थीं फिर आंखिर क्यों इस प्रकार से शिकार बनीं।

फिल्म चकदा एक्सप्रेस की तैयारी में जुटी अनुष्का शर्मा, टॉप 4 क्रिकेट स्टेडियम में होगी शूटिंग

मुंबई ।

बॉलिवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने आने वाली फिल्म चकदा एक्सप्रेस के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। फिल्म भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे सफल गेंदबाजों में से एक झूलन गोस्वामी की बायॉपिक है। झूलन भारत की सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। फिल्म के लिए अनुष्का खुद क्रिकेट और गेंदबाजी की ट्रेनिंग ले रही हैं। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी। खबर हैं कि फिल्म के महत्वपूर्ण सीन की शूटिंग दुनिया के टॉप 4 क्रिकेट स्टेडियम में होगी। सूत्रों के ने बताया कि अनुष्का फिल्म की शूटिंग के लिए क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स स्टेडियम और इंग्लैंड के ही हेडिंग्ली स्टेडियम जाएंगी। भारत में भी अनुष्का की फिल्म की शूटिंग एक बड़े स्टेडियम में किए जाने की बात चल रही है।

टॉप सूत्र ने यह भी बताया, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने हाल में कर्णेश शर्मा की क्लीन स्लेट फिल्म के साथ स्पॉन्सरशिप की घोषणा की है जिसके मुताबिक प्रॉडक्शन हाउस 2022 में हेडिंग्ली स्टेडियम का मुख्य स्पॉन्सर होगा। तब यह लगभग निश्चित हो गया है कि अनुष्का यहां शूटिंग करेंगी। साथ ही अनुष्का लॉर्ड्स में भी शूटिग कर सकती हैं। ऐसा लग रहा है कि वह कम से कम दुनिया के 4 बड़े स्टेडियम में शूटिंग करेंगी। सूत्र ने कहा कि अनुष्का और कर्णेश की कोशिश है, कि झूलन गोस्वामी की यह बायॉपिक यादगार बने। इसकारण वे कोई भी कमी नहीं छोड़ देना चाहते। फिल्म के जरिए देशप्रेम का भी संदेश दिया जाएगा।

मोंटे कार्लो में एटीपी मास्टर्स टेनिस में खेलते हुए स्विटजरलैंड के स्टेन वावरिंका

पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सेवा-परोपकार कर सामाजिक उत्थान के कार्यों में हर संभव योगदान देने का गुजरातियों का स्वभाव: प्रधानमंत्री

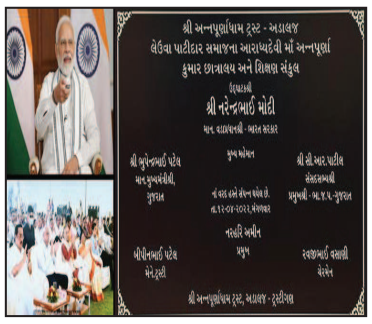

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सेवा एवं उदारता द्वारा समाज उत्थान के कार्यों में अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देने का पाटीदार समाज सहित गुजरातियों का स्वभाव रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक और धार्मिक संस्थानों के सेवा कार्यों से सरकार के जन कल्याण के प्रयासों को बल मिलता है। उन्होंने यह बात मंगलवार को गांधीनगर के निकट अडालज में वर्चुअल तरीके से श्री अन्नपूर्णा धाम ट्रस्ट के बालक छात्रावास और शैक्षणिक परिसर के उद्घाटन तथा जनसहायक ट्रस्ट हीरामणि आरोग्य धाम के भूमिपूजन अवसर पर कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा और पोषण के इन नवनिर्मित प्रकल्पों का गुजरात की आम जनता को बड़ा लाभ होगा। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि जहां मां अन्नपूर्णा देवी की पूजा होती है, वहां कुपोषण के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। पोषण का अज्ञान भी कुपोषण के लिए जिम्मेदार होता है। कोरोना महामारी के कारण दुनिया में अन्न के भंडार कम पड़ रहे हैं, तब भारत का किसान दुनियाभर को भोजन-पोषण प्रदान करने में सक्षम है, इस बात ने दुनिया का ध्यान आकृष्ट किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि धन-धान्य की देवी मां अन्नपूर्णा के प्रति अगाथ जन आस्था के कारण ही हम मां अन्नपूर्णा की मूर्ति को कनाडा से काशी वापस ला सके हैं। उन्होंने इस बात का विशेष तौर पर उल्लेख किया कि पिछले सात-आठ वर्षों के दौरान ऐसी एक दर्जन से अधिक पौराणिक मूर्तियों और वस्तुओं को विदेशों से भारत वापस लाया गया है। प्रधानमंत्री ने अडालज के नवनिर्मित शैक्षणिक परिसर का उल्लेख करते हुए राज्य के युवाओं को कौशल विकास के जरिए 'उद्योग 4.0' यानी चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए तैयार रहने का आह्वान करते हुए कहा कि गुजरात 'उद्योग 4.0' के लिए भारत का नेतृत्व करने को सक्षम है। प्रधानमंत्री ने गुजरात में पहली फार्मेसी कॉलेज की स्थापना से लेकर राज्य में फार्मा उद्योग के बड़े पैमाने पर हुए विकास का दृष्टांत भी दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि हाल के दिनों में उन्हें गुजरात के विभिन्न विकास अनुष्ठानों में सहभागी बनने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य के धार्मिक और सामाजिक संगठनों के योगदान पर भी रोशनी डाली। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मृदु लेकिन दृढ़ व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में गुजरात नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा। उन्होंने आगे कहा कि विकास के लिए आधुनिक सोच और मूलभूत कार्यों के प्रति जिम्मेदारी पर ध्यान भूपेंद्र पटेल की विशेषता है। भूपेंद्रभाई के रूप में गुजरात राज्य को एक उम्दा नेतृत्व मिला है। उनके नेतृत्व में गुजरात की समृद्ध परंपराएं नई ऊंचाइयों को पार करेगी। प्रधानमंत्री ने टीकाकरण अभियान में गुजरात के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भूपेंद्र पटेल को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने नडाबेट, गब्बर और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे पर्यटन केंद्रों में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों का भी खास तौर पर उल्लेख किया।

कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल के चुनाव लड़ने का रास्ता साफ, सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर लगाई रोक

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल के चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हार्दिक पटेल की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से हार्दिक पटेल आगामी चुनाव लड़ सकेंगे। मामला वर्ष 2015 का है, जब पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी हुई थी। इस मामले में सत्र अदालत ने हार्दिक पटेल को 2 साल की सजा सुनाई है। सत्र अदालत के फैसले को हार्दिक पटेल ने गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिलने पर हार्दिक पटेल ने सुप्रीम कोर्ट से द्वार खटखटाए और उन्हें दी गई सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। हार्दिक पटेल ने वकील ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि चुनाव लड़ने से रोकना उनके मुवक्कील के अधिकारों का हनन है। वर्ष 2019 में हार्दिक पटेल चुनाव लड़ने का अवसर गंवा चुके हैं। वकील ने कहा कि हार्दिक पटेल कोई सीरियल किलर नहीं है और उनके मामले में पुलिस ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है। वकील की दलीलों पर गौर करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पाटीदार आंदोलन के दौरान हुए दंगों के मामले में जब तक फैसला नहीं आता तब तक कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल की सजा पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि संबंधित हाईकोर्ट को ही हार्दिक पटेल की सजा पर रोक लगानी चाहिए थी।

श्री अन्नपूर्णा धाम ट्रस्ट के विकास प्रकल्प समाज के सर्वांगीण कल्याण के ध्येय को पूरा करेंगे: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि श्री अन्नपूर्णा धाम ट्रस्ट के विकास प्रकल्प समाज के सर्वांगीण कल्याण का ध्येय पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों में जब सामाजिक संगठन की शक्ति शामिल होती है तब 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' मंत्र में 'सबका प्रयास' का भाव भी जुड़ जाता है। मुख्यमंत्री मंगलवार को गांधीनगर के निकट अडालज में वर्चुअल तरीके से श्री अन्नपूर्णा धाम ट्रस्ट के बालक छात्रावास और शैक्षणिक परिसर के उद्घाटन तथा जनसहायक ट्रस्ट हीरामणि आरोग्य धाम के भूमिपूजन अवसर पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने आजादी के अमृतकाल में स्वस्थ भारत, शिक्षित भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सामाजिक शक्ति को राष्ट्रनिर्माण में जोड़ने की हिमायत की। भूपेंद्र पटेल ने आगे कहा कि नरेन्द्र मोदी ने 'जो कहना, वह करना' की कार्यसंस्कृति विकसित की है। वर्ष 2019 में इस छात्रावास और भोजनालय का भूमिपूजन प्रधानमंत्री ने किया था और आज उन्हीं के करकमलों से इन प्रकल्पों का लोकार्पण हो रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धन-धान्य का अक्षय भंडार भरने वाली हमारी भूमि भी मां अन्नपूर्णा देवी के समान है। ऐसी हमारी भूमि और मानव के सुस्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती ही एकमात्र उपाय है। मुख्यमंत्री ने जनसहायक ट्रस्ट हीरामणि आरोग्य धाम का उल्लेख करते हुए कहा कि 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम' में गुजरात देशभर में आगे है। उन्होंने राज्य के सभी डायलिसिस केंद्रों पर निःशुल्क डायलिसिस सुविधा तथा वन नेशन, वन डायलिसिस के अंतर्गत गत माह राज्य में एक साथ शुरू किए गए 31 नए डायलिसिस केंद्रों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने कहा कि गुजरात के लोगों की दान व परोपकार की वृत्ति तथा सेवा-कल्याण की प्रवृत्ति भारतीय धर्म व संस्कृति से प्रेरित है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात की अविरत विकास यात्रा की सराहना की। इस अवसर पर श्री अन्नपूर्णा धाम ट्रस्ट के चेयरमैन एवं सांसद नरहरिभाई अमीन ने ट्रस्ट की समाज सेवा की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया।

कार्यक्रम में सांसद एच.एस. पटेल, गांधीनगर के महापौर हितेश मकवाणा, श्री अन्नपूर्णा धाम ट्रस्ट, जनसहायक ट्रस्ट और स्वामीनारायण मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी, दानदाता और आमंत्रित मेहमान उपस्थित थे।

प्राइमाफैशन ग्लोबल ने समकालीन मेन्सवियर ब्रांड 'टीम पेरिस' लॉन्च किया

लाइफस्टाइल ब्रांड 12 स्टोर्स के लॉन्च के साथ गुजरात में प्रवेश करेगा, जिसका लक्ष्य 2023 के मध्य तक पूरे भारत में 100 से अधिक स्टोर्स की उपस्थिति हासिल करना है।अहमदाबाद, 11 अप्रैल, 2022ः प्राइमाफैशन ग्लोबल ने आज अहमदाबाद में च्टीम पेरिसज की एक नई मेन्सवियर रेंज का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य खुद को भारत के अग्रणी समकालीन मेन्सवियर लाइफस्टाइल ब्रांड के रूप में स्थापित करना है। यह भारतीय बाजार में प्राइमाफैशन का पहला लॉन्च है और कंपनी का लक्ष्य टीम पेरिस के माध्यम से पुरुषों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले स्टेपल वितरित करना है। टीम पेरिस वैल्यू फॉर्मेट सेगमेंट में उच्च गुणवत्ता वाले पुरुषों के वस्त्र ब्रांड के रूप में उभरा है। ब्रांड ने उपभोक्ताओं पर व्यापक शोध और पुरुषों के परिधान पर उन्हें प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर अध्ययन के आधार पर परिष्कृत, आरामदायक और किफायती मेन्सवियर डिजाइनों की एक श्रृंखला शुरू की है। यह नई रेंज दैनिक आवश्यकताओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराएगी, जो महानगरीय और उपनगरीय ग्राहकों दोनों की जरूरतों को पूरा करेगा। लाइफस्टाइल ब्रांड ने उभरते हुए सेगमेंट में पूरे भारत में अपनी विकास योजनाओं की भी घोषणा की। तेजी से विस्तार के हिस्से के रूप में, टीम पेरिस की योजना 2023 के मध्य तक पूरे भारत में 100 से अधिक स्टोर खोलने की है। इस महीने गुजरात में 12 स्टोर शुरू करने के साथ ही टीम पेरिस अपना परिचालन शुरू कर रही है। ब्रांड की योजना अकेले गुजरात में कुल 35 स्टोर खोलने की है।

धर्म परिवर्तन पर आधारित फिल्म "द कन्वर्जन" 06 मई को रिलीज होगी

विनोद तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विंध्य तिवारी, प्रतीक शुक्ला और रवि भाटिया मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले मंगलवार को अहमदाबाद के वाइड एंगल मल्टीप्लेक्स में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई।फिल्म "द कन्वर्जनज्, जो रूपांतरण के विषय की पड़ताल करती है, 6 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। विनोद तिवारी द्वारा निर्देशित और राज पटेल, राज नोस्ट्रम और विपुल पटेल द्वारा निर्मित, द कन्वर्सेशन में विंध्य तिवारी, प्रतीक शुक्ला और रवि भाटिया मुख्य भूमिकाओं में हैं। निर्देशक विनोद तिवारी कहते हैं, "इस फिल्म की कहानी जबरन धर्मांतरण के एक बेहद संवेदनशील और समकालीन सामाजिक विषय के इर्द-गिर्द घूमती है। जब अंतर-धार्मिक विवाह की बात आती है, तो हम धर्म के नाम पर व्यापक धोखे को देखते और पढ़ते हैं।फिल्म कई महिलाओं के वास्तविक जीवन के अनुभवों पर आधारित है, जिन्होंने अंतर-धार्मिक विवाह किए थे। इस फिल्म की कहानी समाज के कुछ वर्गों को छू लेगी लेकिन हमें विश्वास है कि सच्चाई को पेश करने के लिए इसे बहुसंख्यकों द्वारा सराहा जाएगा।""द कन्वर्जन" फिल्म की रिलीज से पहले, मंगलवार को अहमदाबाद के वाइड एंगल मल्टीप्लेक्स में एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई। जिसमें गुजराती फिल्म जगत व टीवी जगत के निर्देशक, निर्माता, गुजराती फिल्म जगत वुजे वू यानि गणमान्य व्यक्ति समेत स्टार कास्ट मौजूद रहे। जनकराज अग्रवाल, अध्यक्ष, हिंदू पारिस्थितिकी तंत्र, गुजरात और भूमिका पटेल, उपाध्यक्ष, भी विशेष प्री-स्क्रीनिंग में शामिल हुए।सत्य दोसापति ने कहा। वह, "धर्मांतरण या लव जिहाद जैसा कि आमतौर पर जाना जाता है जो चिंताजनक है"

युवा शक्ति को प्राप्त किए गए ज्ञान एवं कौशल से सुसज्ज होकर सपने साकार करने हैं : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि युवा शक्ति को प्राप्त की गई शिक्षा-दीक्षा से सुसज्ज होकर अपने समक्ष आने वाली चुनौतियों को स्वीकार कर उन्हें अवसर में पलटना है और सपने साकार करने हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की शक्ति को राष्ट्र निर्माण में जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में स्टार्टअप, रिसर्च तथा इनोवेशन क्षेत्र में विपुल अवसरों का निर्माण हुआ है।

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर स्थित पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय (पीडीईयू) के नौवें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ऊर्जा क्षेत्र में आए बदलावों को स्वीकार कर नए विकल्प तैयार करने का आह्वान किया। केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा पीडीईयू के अध्यक्ष मुकेश अंबाणी की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थिति में आयोजित पीडीईयू के इस नौवें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री ने 1563 युवाओं को ग्रेजुएशन, 40 विद्यार्थियों को पी.एच.डी. तथा लगभग 102 तेजस्वी विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए। इस दीक्षांत समारोह में राज्य के शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री कुबेर डिंडोर, पीडीईयू की गवर्निंग काउंसिल के परिमल नथवाणी, अन्य सदस्यगण, स्थायी समिति के अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढिया, यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकगण, डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के परिजन तथा राज्य सरकार के सम्बद्ध विभागों के वरिष्ठ सचिव उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि विभिन्न सेक्टरल यूनिवर्सिटीज़ का राज्य में शुभारंभ कराकर गुजरात के युवाओं को स्थानीय स्तर पर विश्व स्तरीय ज्ञान के अवसर उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री के संकल्प के बीज आज वटवृक्ष बन गए हैं। इसका उत्तम उदाहरण यह पंडित दीनदयाल यूनिवर्सिटी है। पटेल ने कहा कि देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस वर्ष में युवा मित्र ऊर्जा क्षेत्र में सम्बद्ध विभिन्न डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे कुशल युवाओं का सामाजिक दायित्व भी विशेष है। इस संदर्भ में उन्होंने युवा विद्यार्थियों को पेट्रोलियम, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों में प्राप्त किए गए ज्ञान-कौशल का समाज के हित में उपयोग किए जाने की आवश्यकता समझाई। उन्होंने कहा कि युवाओं के पास मातृभूमि का हित-राष्ट्रहित हृदय में रखकर कर्तव्यरत रहने के अगणित अवसर उपलब्धहैं। उन्होंने डिग्री प्राप्त कर रहे युवाओं को उज्ज्वल कॅरियर की शुभकामनाएँ देतेहुए कहा कि आज के युवाओं के पास भारत के आने वाले कल का निर्माण करने का स्वर्णिम अवसर है।

केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पीडीईयू के डिग्री प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपने संबोधन में उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आगामी समय में भारत देश के साथ-साथ विश्व में भी ऊर्जा क्षेत्र में विकास की ऊँची छलांग लगाएगा। एक अनुमान के अनुसार आज देश में नियमित लगभग 6 करोड़ वाहनों को ईंधन भरवाने के लिए पेट्रोल पम्प जाना पड़ता है। इसके साथ ही विश्व स्तर पर भी पेट्रोलियम उत्पादों की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने भारत के विश्व का एनर्जी हब बनने के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 5 ट्रिलियन इकोनॉमी का सपना साकार करने के लिए इस क्षेत्र में विकास करना अत्यंत आवश्यक है। पुरी ने ऊर्जा क्षेत्र में भविष्य में किए जाने वाले तथा वर्तमान में हो रहे विकास का आँकड़ों के साथ रुचिप्रद विवरण दिया।

कैस्ट्रॉल ने सुपर मेकैनिक कॉन्टेस्ट 2021-22 के विजेताओं की घोषणा की

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख ऑटोमोटिव एवं औद्योगिक लुब्रिकेन्ट निर्माता कंपनी, कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने अपने सुपर मेकैनिक कॉन्टे्स्ट0 के चौथे संस्क रण के विजेताओं की घोषणा की है। यह प्रतियोगिता मैकेनिकों के कौशल को निखारने के लिये भारत की सबसे बड़ी पहल है, जिसका लक्ष्यय एक प्रतिस्पिर्द्धी राष्ट्री य मंच के माध्यम से भारत के मेकैनिकों की अपस्किलिंग करना है। विजेताओं का सम्मा न माननीय शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, कैस्ट्रॉल इंडिया के प्रबंध निदेशक संदीप सांगवान और टीवी9 नेटवर्क के सीईओ बरून दास ने दिल्लीक में आयोजित एक सम्मा्न समारोह में किया।

कैस्ट्रॉल सुपर मेकैनिक कॉन्टेस्टत के चौथे संस्कलरण का संचालन फिजिकल और डिजिटल, दोनों मीडिया के इस्ते्माल से हुआ था, ताकि पूरे भारत से मेकैनिकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसमें प्रतियोगिता के इंटरैक्टिव वॉइस रिस्पॉकन्सत (आईवीआर) राउंड और एक समर्पित वेबसाइट के माध्यडम से 140,000 से ज्यावदा मेकैनिकों की रिकॉर्ड भागीदारी दर्ज हुई। प्रतियोगिता में नये डिजिटल टूल्सा और फीचर्स की एक श्रृंखला थी, जैसे एक मोबाइल गेम, ताकि भाग लेने वाले मेकैनिक दिये जाने वाले विभिन्न् कामों और चुनौतियों में दक्ष हो सकें। हर प्रतियोगी ने अपने कार्यक्षेत्र में निपुणता को परखने के अलावा विभिन्नन चरणों में उद्योग की बहुमूल्य और प्रासंगिक जानकारी भी पाई। टॉप 50 प्रतियोगियों ने एक ऑन-ग्राउंड फिनाले में मुकाबला किया, जो 5 से 7 अप्रैल 2022 तक तीन दिन चला।

मेकैनिक समुदाय की अपस्किलिंग और उत्थाकन के लिये अपनी प्रतिबद्धता का विस्तािर करते हुए, कैस्ट्रॉल इंडिया ने ऑटोमोटिव स्किल्सप डेवलपमेंट काउंसिल (एएसडीसी) के साथ भागीदारी में एक खास तरीके से डिजाइन किया गया पाठ्यक्रम बनाया था, जिसमें नये जमाने के व्ही)कल डायग्नोास्टिक्सी, अगली पीढ़ी के वाहनों के लिये डिजिटल टूल्स् और बीएस-6 टेक्नो लॉजी आदि शामिल थे। मास्ट रक्लाकसेस में देशभर से 24,000 से ज्यादा मेकैनिक शामिल हुए।

इस प्रतियोगिता के बारे में कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संदीप सांगवान ने कहा, "कैस्ट्रॉल सुपर मेकैनिक कॉन्टेगस्टर के दिल में वह आदर और गर्व निर्मित करने का हमारा लक्ष्यप बसता है, जिसके स्वनतंत्र मेकैनिक असल में हकदार हैं। हमने इस प्लेटफॉर्म का उपयोग मेकैनिकों के ज्ञान और कुशलताओं को लगातार उद्योग के बदलते मानकों के अनुसार नवीकृत करने की उन्हें प्रेरणा देने के लिये किया है। प्रतियोगिता के चौथे संस्कगरण के समापन के साथ, हम इसे उत्साहपूर्वक मिली प्रतिक्रिया के साथ ही वह रोमांच और प्रोत्सोहन देखकर बहुत खुश हैं, जो इसने मेकैनिकों को दिया है।"

'शांतम-एक अनुभव घर' संस्था अनेक रूपों से वरिष्ठ लोगों की मानसिक और शारीरिक क्षमता और शक्ति वापस लाने में प्रयत्नशील

सूरत। पाश्चात्य से प्रभावित इस तेजी से बढ़ते हुए युग में हमारे वरिष्ठ माता-पिता अनेक रूपों से प्रभावित हुए हैं। समाज में बदलते समय की रफ्तार के साथ अपने आप को गति देने में शर्म महसूस करते हैं। समय,समाज और परिवार से प्रताड़ित ये अनुभवी वरिष्ठ नागरिक जो एक समय जोश और होश के साथ जीवन में आगे बढ़ते थे, परंतु बुढ़ापे में अपने आप को असहाय और असहयोगी महसूस करते हैं।

सूरत शहर की सुप्रसिद्ध 'शांतम-एक अनुभव घर' नाम की संस्था अनेक रूपों से वरिष्ठ आयु के लोगों की मानसिक और शारीरिक क्षमता और शक्ति वापस लाने में निरंतर गतिशील रहता है। IDT आईडीटी फैशन इंस्टीट्यूट के सहयोग से 16 अप्रैल, हनुमान जयंति के दिन होने जा रहा है वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक अनोखा फैशन शो का कार्यक्रम। जहाँ आयु के इस पड़ाव पर, जब शरीर में गतिविधियां बदल जाती हैं और चाल-ढाल में फर्क होने के कारण से हमारे वरिष्ठ अपने आप को कॉन्फिडेंट , हैंडसम और सुंदर नहीं महसूस कर पाते हैं। इस फैशन शो के द्वारा उन्हें अपने युवानी के उसी कॉन्फिडेंस को वापस लाने के लिए रैम्पवाक करवाया जाएगा। इस फैशन शो का थीम होगा 'कनेक्ट विदिन'।

उन्हें अपने अंदर के जोश के साथ कनेक्ट कर पुराने कदमों पर चलाया जाएगा । IDT आईडीटी द्वारा एक भव्य शो में हमारे वरिष्ठ नए फैशन और स्टाईल के पहनावे के साथ अपने कम्फर्ट को जोड़ते हुए तैयार होकर जब फैशन वाक करेंगे तब युवाओं की आंखें उन्हें, तारीफ के साथ देखते ही बनेगी। हनुमान जयंती के पावन दिन पर इस फैशन शो का चुनाव हुआ कि अपने अंदर की ताकत और शक्ति को भगवान राम के सबसे शक्तिशाली भक्त हनुमान,जो इस सनातन युग में हमारे राम ध्वजा के लहराते है , ठीक जैसे हमारे हमारे सीनियर सिटीजन समाज और परिवार के लिए आवश्यक हैं। इस फैशन शो को सफल बनाने के लिए सभी की कोरियोग्राफी खुशबू मेकअप की जिम्मेदारी वीएलसीसी की टीम के द्वारा ली गई एवं सुचेता अग्रवाल जी के नेतृत्व में यह शो होने जा रहा है

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)